नये जमाने के साथ..
यश भारत
● वर्ष- 17 अंक 79- ● जबलपुर ● शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● वैशाख मास कृष्ण पक्ष 15 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

शिरडी साईं मंदिर में 4 करोड़ के सिक्के बैंकों ने भी लेने से हाथ खड़े कर दिए

शिरडी, एजेंसी। महाराष्ट्र के सबसे अमीर और देश-दुनिया में प्रसिद्ध शिरडी का साईं बाबा मंदिर ट्रस्ट अब भक्तों द्वारा दान किये जाने वाले सिक्कों से परेशान है। आलम यह है कि अब बैंकों ने भी इन सिक्कों को लेने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि अब यह अतिरिक्त सिक्के रखने के लिए उनके बैंक में जगह नहीं है। शिरडी मंदिर के पास साढ़े तीन से चार करोड़ रूपये के आसपास के सिक्के हैं। जिन्हें बैंकों ने लेने में आनाकानी शुरू कर दी है। वहीं मंदिर न्यास के पास इसे रखने के लिए जगह की कमी पड़ रही है।

वकील के भेष में आए पति ने कोर्ट में महिला को मारी गोली

नई दिल्ली, यशभारत। राजधानी दिल्ली की कोर्ट भी अब सुरक्षित नहीं है. शुक्रवार सुबह साकेत कोर्ट में सनसनीखेज वारदात सामने आई. साकेत कोर्ट में सुबह एक महिला को गोली मार दी गई. पति-पत्नी के बीच चल रहे केस में महिला को गवाही के लिए कोर्ट लाया गया था. एनएससी थाना अध्यक्ष ने महिला को अपनी गाड़ी से अस्पताल में भर्ती कराया. घटना के बाद दिल्ली पुलिस में हड़कंप मच गया. सूचना के बाद सारे वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं।

» न्यूज गैलरी

ईडी को क्रिकेट बुकी अनिल जयसिंघानी की 100 करोड़ की प्रापर्टी मिली

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

इंटरनेशनल क्रिकेट बुकी अनिल जयसिंघानी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय को जयसिंघानी से जुड़ी 100 करोड़ रुपए की कई प्रॉपर्टी मिली हैं। सूत्रों के मुताबिक ज्यादातर प्रॉपर्टी होटल, फ्लैट और दुकान के रूप में है। श्वष्ठ को जयसिंघानी और उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और करीबी लोगों के कई बैंक खाते भी मिले है, जहां करोड़ों रुपए जमा किए गए हैं। महाराष्ट्र के ठाणे के उल्हासनगर के रहने वाले जयसिंघानी, आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में हजारों करोड़ रुपए के सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 2015 से ईडी की वांटेड लिस्ट में थे।

सुप्रीम कोर्ट में सेम सेक्स मैरिज पर आज फिर सुनवाई

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली 20 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज फिर सुनवाई होगी। इस मामले में पिछले 3 दिन से लगातार सुनवाई हो रही है। गुरुवार को करीब 4 घंटे तक याचिकाकर्ताओं की ओर से दी गई दलीलों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि क्या शादी जैसी संस्था के लिए दो अलग जेंडर वाले पार्टनर्स का होना जरूरी है? इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की पांच जजों की संवैधानिक बेंच कर रही है।तीसरे दिन की सुनवाई खत्म करते हुए श्वछ्व चंद्रचूड़ ने आगे बहस करने के लिए 13 वकीलों के नाम गिनाए। साथ ही यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस हर हाल में सोमवार को खत्म होगी। इसके लिए वकील आपस में चर्चा करके समय का बंटवारा कर लें।

अलविदा की नमाज पर यूपी में अलर्ट, अतीक के बेटे उमर की कोर्ट में पेशी

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या का बाद उत्तर प्रदेश के लिए शुक्रवार का दिन अहम होने जा रहा है। ईश से पहले आज प्रदेशभर की मस्जिदों में अलविदा की नमाज होगी। आशंका है कि नमाज के बाद लोग सड़कों पर उतरकर हंगामा कर सकते हैं। इसको लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है।जुमे की नमाज को देखते हुए यूपी के कुछ इलाकों, खासतौर पर प्रयागराज को संवेदनशील बताया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मुस्लिम धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित किया है, ताकि नमाज के बाद किसी तरह की अप्रिय स्थिति ना बने।अतीक के बेटे की कोर्ट में पेशी आजइस बीच, अतीक के बेटे उमर अहमद को आज लखनऊ की सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाना है। अपहरण के केस में उस पर आरोप तय हुए हैं। अमर अभी नैनी जेल में कैद है। माना जा रहा है कि उसे कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ सीबीआई कोर्ट लाया जाएगा। उमर पर आरोप है कि उसने लखनऊ के एक व्यापारी का अपहरण किया था।

आधी रात ट्विटर ने हटाए ब्लू टिक

सुपरस्टार से लेकर बड़े राजनेता और खिलाड़ी भी शामिल

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने बीती रात बड़ी कार्यवाही करते हुए सभी अकाउंट्स से ब्लू टिक हटा दिए। भारत में जिन अकाउंट्स पर यह कार्यवाही की गई है कि उनमें सुपर स्टार से लेकर दिग्गज राजनेता और नामी गिरामी खिलाड़ी शामिल हैं। बता दें. इस साल के शुरू में ट्विटर ने ब्लू टिक को सब्सक्रिप्शन आधारित किया था। इसके लिए एक कीमत भी तय की गई थी। इसके लिए पहले एक अप्रैल की आखिरी तारीख तय की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 20 अप्रैल कर दिया गया था। अब जिन लोगों ने इस राशि का भुगतान नहीं किया, उनका ब्लू टिक हटा दिया गया है। जानकारों के मुताबिक, अब ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन या संस्थागत रूप से ही मिलेगा।

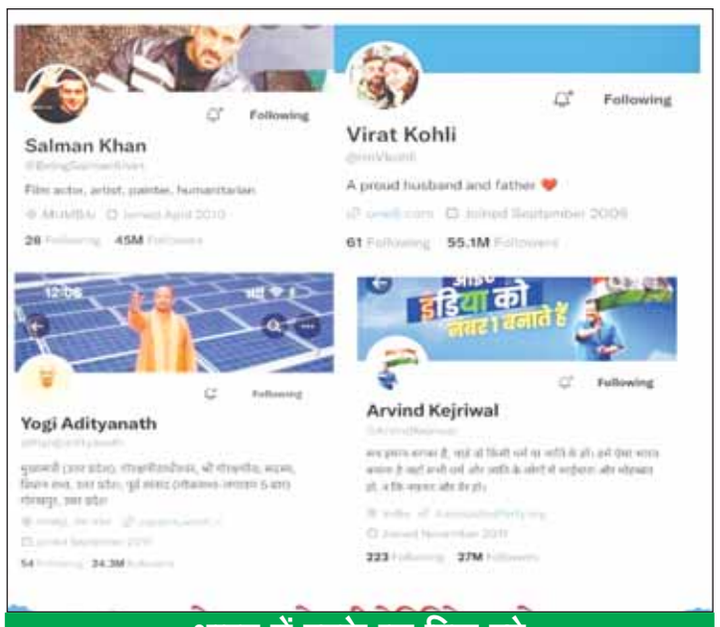

भारत में इनके ब्लू टिक हटे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सलमान खान, शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकल, विराट कोहली, बसपा सुप्रीमो मायावती।

दुनियाभर में एक साथ एक्शन

भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात, कई यूजर्स ने शिकायत की कि उनका ब्लू टिक गायब हो गया है। यूजर्स ने अपने प्रोफाइल के स्क्रीनशॉट पोस्ट भी शेयर किए।जल्द ही साफ हो गया कि ट्विटर ने अपनी प्लानिंग पर एक्शन शुरू कर दिया है। उन खातों से नीले चेक हटा दिए गए, जिन्होंने मासिक शुल्क का भुगतान नहीं किया।

क्या होता है ट्विटर का ब्लू टिक

ब्लू टिक का मतलब है कि उक्त अकाउंट को ट्विटर द्वारा सत्यापित किया गया है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि ट्विटर के पास अभी लगभग 3,00,000 सत्यापित यूजर्स हैं, जिनमें कई पत्रकार, एथलीट और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। एलन मस्क ने कहा था कि अगर ब्लू टिक चाहिए तो इसके लिए हर महीने भुगतान करना पड़ेगा।

चरगवां में पिता ने 8 माह की बच्ची-पत्नी को जहर देकर फांसी पर लटकाया

बाद में खुद झूल गया फंदे पर

जबलपुर, यशभारत। चरगवां के बिजना गांव में एक पिता ने पहले अपनी 8 माह की बच्ची और पत्नी को जहर दिया इसके बाद उन्हें फांसी पर लटका दिया और कुछ देर बाद खुद फांसी पर झूल गया। इस घटना को लेकर पूरे गांव में सनसनी मची हुई, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों के शव पीएम के लिए भेजते हुए मर्ग को जांच में लिया है।

बीती रात हुई इस घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बिजना ग्राम निवासी 25 वर्षीय अखिलेश यादव, 21 वर्षीय अंजना यादव एवं 8 माह की बच्ची आराध्या यादव के शव फांसी के फंदे पर लटके हुए मिले । पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच में किसी बात को लेकर काफी दिनों से मनमुटाव की स्थिति बनी रहती थी इसी बात को लेकर दोनों तनाव में चल रहे थे। जानकारी के अनुसार घटना दम्यिानी रात 12:00 बजे के बाद की बताई जा रही है घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है बहरहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

घरेलू विवाद सामने आया, पुलिस जुटी जांच में

बताया जा रहा है कि मृतक अखिलेश यादव ने पहले पत्नी और बेटी को जहर दिया ।इसके बाद दोनों को फांसी में लटका दिया। उसके कुछ देर बाद खुद भी फांसी पर झूल गया। घटना को लेकर पुलिस ग्रामीणों से और मृतकों के परिजनों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक पड़ताल में पुलिस को घरेलु विवाद के कारण यह घटना होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि घटनास्थल पर कांच की शीशी बरामद हुई है। जिसे जांच के लिए फॉरेसिंक लैब भेजा जाएगा।

ओएमजी ! सिर मगरमच्छ जैसा और धड़ मछली का

विचित्र जीव मिला राजधानी भोपाल के बड़े तालाब में

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के वन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है. प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब में ऐसी मछली मिली है, जिसका जबड़ा मगरमच्छ की तरह है. यह इंसानों पर भी हमला कर सकती है. खास बात यह है कि यह मछली अमेरिका में पाई जाती है. इसे एलीगेटर गार फिश कहा जाता है. वन विभाग को समझ नहीं आ रहा कि यह मछली आखिर भोपाल के बड़े तालाब में आई कैसे. उसके इसलिए भी होश उड़े हुए हैं, क्योंकि अगर एलीगेटर गार फिश ज्यादा संख्या में बड़ा तालाब में है तो वह इसका ईको-सिस्टम खराब कर देगी. हिंसक होने की वजह से वह दूसरी प्रजाति की मछलियों का सफाया कर देगी. इसमें उसे ज्यादा समय भी नहीं लगेगा। दरअसल, 19 अप्रैल को भोपाल में एलिगेटर गार फिश का वीडियो वायरल हुआ. एक शख्स जब फिशिंग कर रहा था, तो ये मछली उसके जाल में फंस गई. उसने खुद एलिगेटर गार फिश को देखकर हैरानी जताई. इसलिए उसने वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए. उसे मिली मछली की लंबाई करीब डे? फीट है. एक्सपर्ट का कहना है कि इस मछली की लंबाई 12 फीट तक हो सकती है. यह मछली पूरी तरह मांसाहारी होती है. एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मछली की उम्र 18 से 20 साल तक होती है।

बड़े तालाब की मछलियों को खतरा

एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर एलिगेटर गार फिश वाकई बड़े तालाब में मिली है. और, अगर इसकी संख्या तालाब में ज्यादा है, तो यह इसका पूरा का पूरा ईको-सिस्टम बर्बाद कर देगी. यह दूसरी प्रजाति की मछलियों का तुरंत सफाया करती जाएगी. इसकी पूरी जानकारी हासिल कर इसकी संख्या पर रोक लगाई जानी चाहिए. सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि अमेरिका की मछली आखिर भोपाल के बड़े तालाब में पहुंची कैसे।

मणिपुर भाजपा में असंतोष? मुश्किल में सीएम बीरेन सिंह! 1 हफ्ते के अंदर 3 विधायकों ने छोड़े सरकारी पद

■ इम्फाल, ईएमएस।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के खिलाफ बढ़ते असंतोष की अटकलों के बीच, एक अन्य भाजपा विधायक- पी ब्रोजेन सिंह, जो वांगजिंग तेंथा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं- ने गुरुवार को एक सरकारी पद से इस्तीफा दे दिया. मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में ब्रोजेन ने मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए 'व्यक्तिगत कारणों' का हवाला दिया. द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक एक सप्ताह की अवधि में यह तीसरा इस्तीफा है, जो भाजपा की मणिपुर इकाई में बढ़ते असंतोष का संकेत देता है। इससे पहले 13 अप्रैल को, पूर्व पुलिस अधिकारी और हिरोक विधायक थोकचोम राधेश्याम सिंह ने मुख्यमंत्री के सलाहकार के पद से इस्तीफा दे दिया था. इसके चार दिन बाद, लंगथबल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले करम श्याम ने भी मणिपुर पर्यटन निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

सूरत सेशन कोर्ट के फैसले से राहुल गांधी को निराशा, अब हाईकोर्ट का खटखटाएंगे दरवाजा

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

गुजरात के सूरत की एक सेशन कोर्ट ने गुरुवार को आपराधिक मानहानि के मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी की 2 साल की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. इसके बाद सूरत ट्रायल कोर्ट में राहुल गांधी की तरफ से पेश होने वाले वकील किरीट पानवाला ने कहा कि पूर्व सांसद राहुल गांधी गुजरात हाईकोर्ट में अपनी अपील को खारिज करने के फैसले को चुनौती देंगे. उन्होंने कहा कि 'यह फैसला निराशाजनक है, लेकिन हम सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे और हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद है.'। सूरत की एक कोर्ट ने आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराया और 23 मार्च को सजा सुनाई थी. 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक खबर के मुताबिक राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने की अपील को सेशन कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ खारिज कर दिया कि कर्नाटक में 2019 की एक चुनावी रैली में उनकी 'मोदी सरनेम' टिप्पणी एक जन प्रतिनिधि के लिए शोभा नहीं देती थी. कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी से 'नैतिकता के ऊंचे स्तर की उम्मीद है. अतिरिक्त सेशन जज रॉबिन मोगेरा ने कहा कि 'यह कोई विवादित तथ्य नहीं है कि अपीलकर्ता (तत्कालीन) एक सांसद और दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का अध्यक्ष था. अपीलकर्ता के कद को देखते हुए उसे अपने शब्दों के लिए अधिक सावधान रहना चाहिए था, जिसका एक बड़ा प्रभाव होगा लोगों के दिमाग पर होता है.' अदालत ने राहुल के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि अगर सजा पर रोक नहीं लगाई गई तो उन्हें 'बहुत बड़े नुकसान' का सामना करना पड़ेगा. ट्रायल कोर्ट से उन्हें दो साल की सजा सुनाए जाने के कारण उनके आठ साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी. इसी सजा के कारण राहुल गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत सांसद के अयोग्य ठहराया गया. सेशन कोर्ट अब 20 मई को राहुल की दो साल की सजा को चुनौती देने वाली 3 अप्रैल की याचिका के दूसरे भाग पर सुनवाई करेगी. पानवाला ने कहा कि सजा पर अदालत का फैसला आने तक राहुल गांधी जमानत पर हैं।

पुंछ हमले का बदला लेगी सेना, आतंकियों की तलाश जारी

भयंकर मंजर... किसी की टांग तो किसी का हाथ सड़क किनारे बिखरा पड़ा था

■ श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। आतंकियों ने खराब मौसम का फायदा उठाते हुए घात लगाकर हमला किया। हमले को उस समय अंजाम दिया गया जब गुरुवार को सेना का वाहन भीमबेर गली से संगीओत की ओर जा रहा था। घायल जवानों को राजौरी के सेना अस्पताल लाया गया है। अब तक की जांच के मुताबिक, आतंकियों ने पहले गोलियां चलाई, फिर ग्रेनेड फेंके, जिससे वाहन में आग लग गई। सघन तलाशी अभियान के बावजूद आतंकवादी मौके से भागने में सफल रहे और उन्होंने अपना ठिकाना बदल लिया। आतंकियों ने संगयोट में सेना के जिस वाहन पर हमला किया, उसमें सवार जवान इफ्तार पार्टी के लिए सामान लेकर अपनी कंपनी में लौट रहे थे। वहीं, पुंछ जिले के भाटादूड़ियां में आतंकी हमले के बाद सैन्य वाहन के भीतर और सड़क पर जिंदा जलते जवानों को देखने वाले चश्मदीदों ने घटना स्थला के मंजर के बारे में बताया। चश्मदीद आतंकी हमले के कुछ समय बाद घटनास्थल पर पहुंच गए थे। चश्मदीदों का कहना है कि भयंकर मंजर... किसी की टांग तो किसी का हाथ सड़क किनारे बिखरा पड़ा था। फिल्मों में तो कई बार लोगों को जिंदा जलते देखा, लेकिन हकीकत में पहली बार शहीदों को इस तरह देखकर रूह कांप गई।

लोग बचाने के सैन्य वाहन की तरफ भागे

इन लोगों का कहना है कि वे जम्मू से पुंछ लौट रहे थे। जैसे ही उनके वाहन तोता गली के आगे पहुंचे तो उन्होंने सेना के एक वाहन को जलते देखा। उनके चालकों ने वहीं गाड़ियों की ब्रेक मार दी, और वह उतर कर सैन्य वाहन की तरफ भागे।

आग की लपटों में घिरे थे जवान

उनके पीछे अन्य लोग भी भागते हुए वाहन के पास पहुंचे तो वाहन से उठ रहीं आग की लपटों के बीच दो जवानों को वाहन के अंदर आग से लिपटे देखा। कुछ जवान वाहन के नीचे स ?क पर आग में लिपटे हुए थे। उनकी वर्दियों के साथ ही उनके शरीर बुरी तरह जल रहे थे, और मांस के जलने की हल्की हल्की दुर्गंध भी उठने लगी थी।

इंसानों को जलते देख कांप गई रूह

वाहन चालकों ने हिम्मत दिखाते हुए जवानों के जिस्म पर लगी आग को बुझाने के प्रयास शुरू किए, लेकिन लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था। आंखों के सामने पहली बार असल में इंसानों को जलते देख उनकी रूह कांप गई। ऐसा लगा कि सभी लोग पत्थर में बदल गए हों। इस बीच अन्य कई वाहन भी मार्ग पर रुके और उनके यात्री भी शोर मचाते हुए पहुंचे। वे भी हिम्मत कर आग बुझाने लगे। लेकिन, वहां का मंजर बड़ा ही भयंकर था। जलते इंसानों के साथ किसी की टांग, किसी का हाथ तो किसी का शव सड़क किनारे पड़े देखा। जहां सब जवानों के शरीर आग में झुलस गए थे, वहीं एक जवान सड़क के किनारे औंधे मुंह पड़ा था। सोचा कि वह बेहोश है, लेकिन जैसे ही उसे सीधा किया तो पांव के नीचे से जमीन ही निकल गई। उसके माथे पर बने गड्डे से बहुत खून बह रहा था।इस बीच पीछे से कुछ लोग चिल्लाए कि गोलियां मारी हैं गोलियां। हमें तब भी समझ नहीं आया कि वे क्या बोल रहे हैं। इसी बीच सेना के जवान वहां पहुंच गए और वहां से सभी को भगा दिया गया।

कई देशों में चावल की कमी

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

दुनिया के अनेक हिस्सों में चावल का उत्पादन लगातार गिर रहा है। इस सूची में चीन से लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ तक शामिल हैं। यह वैश्विक चावल बाजार में दो दशकों में सबसे बड़ी कमी है। संकट की वजह चीन में खराब मौसम और रूस-यूक्रेन युद्ध को बताया जा रहा है। इसके चलते दुनियाभर में चावल की कीमतें बढ़ रही हैं। चावल दुनिया के सबसे अधिक खेती वाले अनाजों में से एक है। फिच सॉल्यूशंस की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के सबसे बड़े चावल उत्पादक देश चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ में इस अनाज का उत्पादन तेजी से घटा है। फिच सॉल्यूशंस के कमोडिटी एनालिस्ट चार्ल्स हार्ट के मुताबिक, चावल बाजारों में 1.86 करोड़ टन की कमी हुई है। हार्ट ने कहा, त्वैश्विक स्तर पर, चावल की कमी का स्पष्ट प्रभाव रहा है, चावल की कीमतें एक दशक के उच्च स्तर पर हैं। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के चलते चावल की आपूर्ति कम हो गई है।इसके अलावा, चीन और पाकिस्तान जैसे चावल उत्पादक देशों में खराब मौसम भी इस संकट के कारक हैं।

यदि आप को यशभारत न्यूज पेपर नहीं प्राप्त हो रहा है तो संपर्क करें
मो. 9407348995, 7999718732

सूडान के गृहयुद्ध में फंसे कई भारतीय होटल में कैद, बिना बिजली, पानी काट रहे दिन

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स और सूडानी सशस्त्र बल के बीच संघर्ष का असर भारतीयों पर भी पड़्रहा है. डेकन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों सशस्त्र बलों में हो रही गोलीबारी की चपेट में आने के कारण केरल के रहने वाले एक व्यक्ति की जान चली गई. इसके बाद से सूडान में फंसे भारतीयों के परिजनों की ओर से सरकार से अपील की जा रही है कि उन्हें वापस घर लाने के लिए निकासी योजना बनाई जाए. सूडान में भारतीय नागरिकों की स्थिति के बारे में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया के बीच सोशल मीडिया पर कई कटाक्ष भी साझा किये गए। इस बीच सूडान में फंसे एक भारतीय नागरिक ने बताया कि उनके होटल में पांच दिनों से बिजली नहीं है. भोजन और पानी की आपूर्ति भी कम है. इससे पहले अर्धसैनिक बलों ने होटल में लूटपाट की थी. खार्तूम के अधिकांश हिस्से में बिजली भी नहीं है और अर्धसैनिक बल मरम्मत की अनुमति नहीं दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बल द्वारा लूटपाट एक बड़ी समस्या थी और उन्होंने सरकार से अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया. मुंबई के रहने वाले सूडान के एक अन्य यात्री ने कहा कि हवाईअड्डे पर दोनों पक्षों के बीच झड़प का दृश्य बनने के बाद वह कई किलोमीटर पैदल चले और एक होटल में शरण ली, जिसमें अब बिजली नहीं है।

इस साल दुनिया कर सकती है भीषण गर्मी का सामना

पारा बनाएगा नए रिकॉर्ड, मौसम वैज्ञानिकों की चेतावनी

■ ब्रूसल, एजेंसी।

हर साल गर्मी बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया बढ़ते तापमान का सामना कर रही है। ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस साल दुनिया रिकॉर्ड भीषण गर्मी का सामना कर सकती है। बता दें, यह अल नीनो की वापसी के कारण होगा। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और अल नीनो मौसम की घटना वजह से दुनिया 2023 या 2024 में एक नए औसत तापमान रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। जलवायु वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रशांत महासागर में ला नीना मौसम के तीन साल बाद दुनिया इस साल के अंत में अल नीनो की वापसी का अनुभव करेगी। दरअसल ला नीना आम तौर पर वैश्विक तापमान को थोड़ा कम करता है, जबकि अल नीनो गर्म तापमान महसूस कराता है। यूरोपीय संघ के कोपर्निकस क्लाइमेट के निदेशक कार्लो बूनटेम्पो ने बताया कि अल नीनो सामान्य रूप से वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ तापमान से जुड़ा है। साल 2023 या 2024 तक यह देखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जलवायु मॉडल पर ध्यान दें तो यह हमें चेतावनी दे रहे हैं कि थोड़ी देर से ही सही लेकिन गर्मियों में अल नीनो की वापसी देखी जाएगी।

पिछले आठ साल सबसे गर्म

अब तक रिकॉर्ड पर दुनिया का सबसे गर्म वर्ष 2016 था। यह अल नीनो की वजह से ही दर्ज किया गया था। हालांकि अभी की बात करें तो जलवायु परिवर्तन की घटना के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में अल नीनो के बिना ही आप रिकॉर्ड वृद्धि देख सकेंगे। गौरलतब है पिछले आठ साल दुनिया के सबसे गर्म थे।

अल नीनो का मौसम पर क्या पड़ता है असर

अल नीनो के कारण प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह तापमान सामान्य से ज्यादा हो जाता है यानी गर्म हो जाता है। इस परिवर्तन के कारण मौसम चक्र बुरी तरह से प्रभावित होता है। अल नीनो का असर दुनिया भर में महसूस किया जाता है, जिसके कारण बारिश, ठंड, गर्मी सब में अंतर दिखाई देता है। अब मौसम के बदल जाने के कारण कई स्थानों पर सूखा पड़ता है तो कई जगहों पर बाढ़ आती है। जिस साल अल नीनो की सक्रियता बढ़ती है, उस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून पर इसका असर पड़ता है। इससे धरती के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा होती है तो कुछ हिस्सों में सूखे की गंभीर स्थिति सामने आती है। हालांकि कभी-कभी इसके सकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं, उदाहरण के तौर पर अल नीनो के कारण अटलांटिक महासागर में तूफान की घटनाओं में कमी आती है।

घातक बीमारियों को पैर पसारने का फिर दिया जा रहा मौका

जबलपुर, यशभारत। बीते वर्षों में शहर व उपनगरीय क्षेत्रों के सघन इलाकों में डेंगू और चिनिगुनिया जैसी घातक बीमारियों ने विस्तार लिया था तो वहीं स्वाईन फलू के अलावा वायरल फीवर व मलेरिया ने भी अपनी आमद दर्ज कराई थी । अभी मौसम के नित दिन करवट बदलते अस्पतालों में बायरल फीवर व मलेरिया पीलिया सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है परंतु उक्त घातक बीमरियों को विस्तार देने वाले मच्छरों का लार्वा नष्ट करने अभी तक कोई खास कदम नहीं उठाए जा सके हैं तो वहीं आवारा सुअरों की धरपकड़ के प्रयास भी नहीं हो रहे। नगर निगम के जिम्मेदारों की मानें तो शहर में मच्छरों के बिनष्टीकरण के लिए जहां शहर भर में समय समय पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव हो रहा है तो वहीं फागिंग मशीन भी चलाई जा रही है। यह बात दीगर है कि यह मशीन शहर के अधिकांश क्षेत्रों में एकअर्से से लोगों ने धुंआ छोड़ते नहीं देखी है।और तो और किस इलाके में लार्वा विनष्टीकरण हो रहा है और कहां कहां दवाओं का छिड़काव हो रहा है यह भी नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग ही जानता है। दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग भी उक्त घातक बीमारियों की रोकथाम हेतु पूरी तरह मुस्तैद रहने का दावा कर रहा है। लोगों के जेहन में सवाल उठ रहे हैं कि जब शहर के सघन आबादी वाले क्षेत्रों में बराबर फागिंग मशीन चल रही है और दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है तब इसके बावजूद आखिर मच्छर कैसे पनप रहे हैं। शहर के कई इलाकों में बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। गौरतलब हो कि बीते वर्षों शहर में बड़ी संख्या में चिकनगुनिया व डेंगू से लोग प्रभावित हुए थे और इनमें से कुछ की मौत भी हुई थी जबकि इस बार वैसे तो अब तक उक्त दोनों बीमारियों की कोई शिकायत नहीं आयी ह लेकिन इस बार स्वाइन फलू ने जरूर दस्तक दी थी। हालांकि अभी इस बीमारी के मामले सामने नहीं आए हैं परंतु बायरल के साथ ही पीलिया मोतीझिरा व मलेरिया जरूर तेजी से पैर पसारने को आतुर है लिहाजा समय रहते यदि जिला स्वास्थ्य महकमा और नगर निगम के जिम्मेदार नहीं चेते तो एक बार पुनः घातक बीमारियों को अपने पैर पसारने का मौका मिल जाएगा।

दवाओं के छिड़काव और फागिंग मशीन चलाए जाने से परहेज

नए मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर सुविधाएं पूरी हों जन अपेक्षा

सड़क गड्ढेदार, आवारा जानवरों का डेरा ,उस पर सुरक्षित यातायात के लिए दस गुना जुर्माना की तैयारी?

जबलपुर,यशभारत। मोदी सरकार ने यातायात व्यवस्था को सुधारने प्रदेश सहित पूरे देश में भारी भरकम जुर्माना तय कर दिया है । इस बीच जहां तहां इस बेतहाशा बढ़े जुर्माने को लेकर हो रही चर्चाओं पर केन्द्र के परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने स्पष्ट किया कि जुर्माने में यह बढ़ोतरी आम लोगों में यातायात के नियमों का पूरी तरह पालन कराने के उद्देश्य से की गई है और सर्वथा उचित है। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि राज्य केन्द्र द्वारा तय इस जुर्माने में कोई कमी नहीं की जा सकती अलबत्ता राज्य सरकार इस दस गुना तक बढ़ा जरूर सकती है। जहां तक सुरक्षित यातायात आम लोगों की सुरक्षा के लिहाज से सर्वथा उचित है और जनता इस पर अमल करने भी पूरी तरह तैयार है । लेकिन सवाल यह है कि क्या पूरी जिम्मेदारी जनता की ही तय की गई है। आज स्थिति यह है कि शहर में घर से निकलते ही जर्जर सड़क और गड्ढों की शुरूआत हो रही है तो कुत्तों का झुंड या बीच सड़क पर गाय-सांडों का कब्जा। स्थिति तो शाम को अंधेरा घिरने के बाद और भी बदतर हो जाती है। शहर के अनेक प्रमुख इलाकों में सड़कबत्ती बंद रहने से शाम हो या रात, सड़कों के गड्ढे दिखना मुश्किल है। इन सभी समस्याओं से जूझने के बाद सुबह शाम की मुसीबत रेंगता ट्रैफिक,जिसका इलाज अब पुलिस के पास भी नहीं रहा है। स्मार्ट सिटी की हकीकत का संभवतःयही रिपोर्ट कार्ड है। आज हालात यह हैं कि शहरभर की मुख्य व इसे जोड़ने वाली लगभग सभी सड़कों की हालात बद से बदतर हैं। जर्जर सड़कों की शिकायतों का ढेर लगा है और नगर निगम पेंच रिपेयरिंग के नाम पर ईंट व मलमा पटककर और परेशानी बढ़ा रहा है। यही नहीं नगर निगम का पूरा एक विद्युत विभाग ही इसलिए है कि शहर की स्ट्रीट लाइटों को चकाचक रखें लेकिन यहां भी वीवीआईपी इलाकों में तो पर्याप्त रोशनी है परंतु हर इलाके में यह हाल नहीं हैं । आज भी शहर के कई हिस्सों में सड़कें शाम होते ही अंधेरे में डूबी रहता हैं। अंधेरे में खराब सड़कों से गुजरना अपनी जान जोखिम में डालने से कम नहीं है। शहर से सटे हाइवे हों या शहर की सड़कें,हर तरफ मवेशियों का डेरा है। रात में आवारा कुत्तों का खौफ भी लोगों को झेलना पड़ता है। दिनभर शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। नगर निगम का अमला आवारा पशुओं को पकडऩे कितना सक्रिय है यह किसी से छिपा नहीं है। हर फोरम पर शिकायतें करने के बाद भी इन समस्याओं से तो छुटकारा नहीं मिल रहा अलबत्ता सरकार वाहन चालकों पर भारी भरकम जुर्माने का कोड़ा बरसाने कमर कसकर तैयार है। जरूरत है उक्त एक्ट को पूरी तरह लागू करने से पहले सड़कें दुरुस्त आर आवारा पशुओं से मुक्त हों तथा शाम के बाद इनमें पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था हो ।

ईद का चाँद आज नजर आने की उम्मीद

जबलपुर,यशभारत। मुफ़्तीए आज़म मध्य प्रदेश हज़रत मौलाना मोहम्मद हामिद अहमद सिद्दीकी के अनुसार 21 अप्रैल जुमा मुताबिक उन्तीस रमज़ान को ईदउलफित्र का चाँद नजर आने की उम्मीद है। लिहाजा साय मगरिब के वक्त चाँद देखने की पूरी कोशिश करें। चाँद नजर आने पर मौलाना साहब के मोबा– 9302256729, 9926315991 पर फौरन इत्तिला दे।

ताकि राब्ता कायम करने मे सहूलियत हो और ईद के चाँद का एलान किया जा सके। ईद की व्यवस्थाओं पर मौलाना ने लिखा प्रशासन को पत्र- मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना हामिद अहमद सिद्दीकी ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त को पत्र प्रेषित कर ईद के दिन ईदगाह कला रानीताल एवं मुस्लिम बहुल क्षेत्र की मस्जिदों मे साफ सफाई, प्रकाश एवं पेयजल समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। मौलाना साहब ने ईद की नमाज़ के दौरान विधुत प्रवाह निर्बाध रूप से जारी रखने का अनुरोध किया है। ईद के दिन पर्याप्त पुलिस प्रबंध करने की भी मांग की गई है।

रमज़ान का अलविदा जुमा

मुस्लिम धर्मावलंबियों के पवित्र माह रमज़ान मुबारक का 21 अप्रैल को आखरी जुमा है। इस मौके पर मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की तमाम 80 से ज्यादा मस्जिदों व नमाज़गाहो मे दोपहर डेढ़ बजे जुमा की नमाज अदा की गई। नमाज के पूर्व इमाम साहब अलविदा जुमा का खुत्बा पढ़ेंगे तथा नमाज़ोंपरांत दुआएं की गई।

मदन महल दरगाह में हुआ अफ्तार- रमज़ान मुबारक के 28वे रोजे जुमेरात को मदन महल पहाड़ी पर स्थित पीराने पीर के दरगाह मे अफ्तार ए आम का एहतेमाम किया गया। मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी, हज़रत अल्हाज सैय्यद शम्स रब्बानी साहब ने आयोजन की सरपरस्ती फरमाई।सज्जादानशीन मुबारक कादरी, निज़ाम कादरी, शराफत कादरी, आबिद कादरी, इदरीस कादरी, अतहर कादरी, इनायत कादरी ने तमाम रोजदारो का इस्तक़बाल कर शुक्रिया अदा किया।

महापौर ने ईद–उल–फितर पर्व की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जबलपुर, यश भारत। ईद–उल–फितर की तैयारियों का महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के साथ वरिष्ठ समाज सेवी कदीर सोनी, एम.आई.सी. सदस्य शुगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नवी, एम.आई.सी. सदस्य गुलाम हुसैन, पार्षद संतोष पंडा, अयोध्या तिवारी, अख्तर अंसारी, इदरिश, मतीन अंसारी, ताहिर अली, मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों रानीताल ईदगाह, सुब्बाशाह मैदान, छोटी ईदगाह, मण्डी मदार टेकरी, बड़ी ओमती, जामा मस्जिद, आनंद नगर पंप हाउस, पी.एस.एम. मस्जिद, एवं अन्य जगहों का सघन रूप से जायजा लिया और मौके पर उपस्थित सभी अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने सभी मस्जिदों के आस–पास बेहतर साफ–सफाई, फॉगिंग, कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव, नाला नालियों की साफ–सफाई, डोर टू डोर कचरा उठवाना, चूने की लाइन डलवाना, एवं धुलाई करवाकर, मस्जिद, ईदगाहों के आस–पास समुचित प्रकाश व्यवस्था, पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था, एवं आवारा पशुओं को पक?ने आदि कार्यो को करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उपरोक्त कार्यो में किसी प्रकार की कोई लापरवाही न बरतने की भी हिदायत दी है। निरीक्षण के समय कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, आर.के. गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, सी.एस.आई. संदीप पाण्डे आदि उपस्थित रहे।

सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने अधिकारियों को दिये निर्देश

चौथी बार बहुमत मिलना ईमानदारी, का प्रतिफल

रमेश शर्मा जीसीएफ को. आपरेटिव सोसा.अध्यक्ष बने

जबलपुर यशभारत। आपकी ईमानदारी और सेवा का प्रतिफल है कि सदस्यों ने आपको चौथी बार तीन चौथाई से ज्यादा का बहुमत देकर आपको सोसायटी की बागडोर सौंपी है।इसलिए चली आ रही ईमानदारी और सेवा की परंपरा को कायम रखें।उक्त विचार भारतीय मजदूर संघ के जेसीएम-3सदस्य रामप्रवेश सिंह ने सोसायटी में श्रमिक संघ(मिले हाथ)के निर्वाचित सदस्यों के कार्यभार ग्रहण करते समय व्यक्त कर सभी को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों चुनाव में बीपीएमएस ने लाल झंडे को करारी मात देकर 32 में से 25 सीटें जीत कर लगातार चौथी बार सोसायटी पर कब्जा किया।सोसायटी संचालन कमेटी में बीपीएमएस के रमेश शर्मा अध्यक्ष दीपक गुप्ता एवं हेमंत कुमार उपाध्यक्ष बैंक कमेटी के लिए सुमन कुमार मुकेश एवं राजेश सिंह के साथ रहीम खान, मृगेन्दर राहुल कुमार गर्ग, श्रीमती खुशबू, श्रीमती छोटी बाई कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर यूनियन के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष जसवीर भसीन, अविनाश कामले, लक्ष्मी पटेल, राकेश रजक, मनोज धर्मजन, अजय कुंवर, राजेश पाठक, राजेन्द्र वर्मा, संदीप कटरे, रूपेश शर्मा, गौरीशंकर, अभिषेक साहु, राकेश राय, राजेश कुशवाहा, तपेन्दर दुवे, अतुल नेताम, अनिल साहु, विकास, दिव्यांश मिश्रा आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

पवन जैन सम्मानित

जबलपुर यशभारत। भारतीय जीवन बीमा निगम वरिष्ठ मंडल प्रबंधक राजेश कुमार सिंह मार्केटिंग मैनेजर शशांक सालोदकर की अध्यक्षता में विगत वर्ष के गोल्ड एवं सिल्वर ब्रिगेड के सदस्य ष्ट्स्ड्ढह्य का सम्मेलन, निर्मल छाया रिजार्ट- बिरुहली कटनी, में आयोजित किया , जिसमें नव व्यवसाय में उल्लेखनीय कार्य के लिए श्री पवन कुमार जैन मुख्य जीवन बीमा सलाहकार को, सिल्वर ब्रिगेड सदस्यता, प्रमाण पत्र वर्ष 2022– 23 से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सी एल आई ए प्रबंधक देवव्रत शाह उप प्रबंधक श्री त्रिपाठी जी एवं पी एन शुक्ला लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया जबलपुर मंडल से उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में कीर्तिका अव्वल

जबलपुर, यशभारत। महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में राष्ट्रीय स्तर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। यह प्रतियोगिता तीन स्टेज में होना है। स्कूल,शहर, राष्ट्रीय स्तर पर। जिसमें जबलपुर से अनेक स्कूल के विधार्थियों ने भाग लिया। 9 और 10 कक्षा विधार्थियों में प्रथम कीर्तिका, दूसरा और तीसरा स्थान लिटिल वर्ल्ड स्कूल से आरोही व खुशी वर्मा को मिला।

सिड्रा से संबद्ध संगठनों ने ओएफके में ज्ञापन सौंपा

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया में सिड्रा से सम्बधित सभी एसोसिएशन आईओएफजीओए, एआईएएनजीओ क्लेरिकल एवं सुपरवाइजर एसोसिएशन ने अपनी वर्षों से लंबित मामलों को जल्द निपटारे के संयुक्त रूप से रक्षा मंत्रालय के नाम ज्ञापन महाप्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया को सौप कर निवेदन किया गया कि ज्ञापन को उचितमाध्यम से रक्षा मंत्रालय तक भेजा जाये। ज्ञात हो कि ग्रुप बी एवम ग्रुप सी के बहुत से विषय काफी लम्बे समय से मंत्रालय मे लंबित है जिसमे मुख्य रूप से जेडब्लूएम की पदोन्नति सभी कैडर का एसआरओ अप्रूवल, समय बद्ध सीमा मे 4800 से 54 सौ ग्रेड पर पे फिक्सेशन आदि के साथ लगभग 17 माँगों को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा की जा चुकी है।लेकिन अब तक उनका निराकरण नहीं हो सका।ज्ञापनसौपते वक्त भारत भूषण ओझा, डी के पाण्डेय, रामानंद यादव, वाई पी दिक्षित, सतेन्द्र प्रताप सिँह, अजय यादव, अजय चौहन, डी सी पाण्डेय देवेंद्र वर्मा, बाला चक्रवर्ती, अंकुश कोरी, योगेश नामदेव राजेंद्र दुबे, दिनेश शर्मा, राम बली आदि उपस्थित थे

भक्तों का कष्ट देख कर भगवान दौड़े चले आते हैं :स्वामी पगलानंद

जबलपुर, यशभारत। गौरीघाट में स्थित झूलेलाल धर्मशाला में चल रही साप्ताहिक भागवत पुराण में स्वामी पगलानंद महाराज ने कहा कि कलयुग में बैसाख महीने में भागवत पुराण को सुनने से पितरों को मोक्ष मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों के कष्ट को हरण करने के लिए दौड़े चले आते हैं। भागवताचार्य पं. नितिश कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव प्रसंग पर कहा कि ईश्वर की जितनी लीलाएँ भागवत पुराण में हैं उनसे हमें भक्तिमार्ग एवं जीवन को चलाने की शिक्षा मिलती है । श्रीमदभागवत पुराण के मुख्य यजमान श्री गौरव पाण्डे, श्रीमती दिव्या पांडेय, सोनूचौबे , के. के. दुबे, बृजेन्द्र पांडेय, उमेश मिश्रा शैलेन्द्र सहित अनेक भक्तों का सहयोग ।

भैया जी जोशी ने जैविक खेती का अवलोकन किया

जैविक खेती अध्ययन दल के साथ शाहपुरा क्षेत्र का भ्रमण

जबलपुर, यशभारत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी पूर्व सह कार्यवाह भैयाजी जोशी ने शहपुरा के फुलर ग्राम के जैविक खेती करने वाले डा विनय सिंह के प्रक्षेत्र का अवलोकन किया। जैविक खेती विशेषज्ञ वेलजी भाई व मिताली वेलजी ने पांच राज्यों के जैविक कृषकों के साथ जैविक खेती अध्ययन दल के साथ शाहपुरा क्षेत्र का भ्रमण किया। क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रजनीश दुबे ने बताया की जैविक खेती की महत्वता को जानने एवं अध्ययन व विश्लेषण करने आदरणीय भैया जी जोशी ने जैविक फसलों का निरीक्षण किया एवं यह अध्ययन भी किया की रासायनिक खेती एवं जैविक खेती की लागत एवं लाभ में क्यों असमानता आती है। बढ़ते हुए पर्यावरणीय संकट एवं खाद्य उत्पादों में जहरीलापन बढ़ने से मानवीय स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है उसका निदान अब सभी को साथ होकर ही खोजना पड़ेगा। महाराष्ट्र हरियाणा पंजाब व राजस्थान के आए हुए कृषक दलों के साथियों ने अपने-अपने राज्य में जैविक खेती के बढ़ते क्षेत्र के बारे में बताते हुए रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों की जानकारी दी दल के साथ में आए हुए कृषि विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए जैविक खेती को ही एकमात्र विकल्प बताया। शहपुरा फूलर के कृषक ठाकुर विनय सिंह ने आगंतुक कृषको व अध्ययन दल के सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने कृषि क्षेत्र में जैविक उत्पाद व जैविक उर्वरक बनाने की विभिन्न विधाओं से परिचित कराते हुए फसलों का निरीक्षण कराया।

मुकेश सराठे शिव सेना उद्धव के महानगर प्रमुख

जबलपुर , यशभारत। सेनापति विश्व हिन्दू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे, शिवसेना प्रमुख उद्धव साहेब ठाकरे, युवासेना प्रमुख आदित्य साहब ठाकरे के आशीर्वाद से राष्ट्रीय संगठक अशोक तिवारी व राष्ट्रीय संगठक रविन्द्र कुवेशकर के आदेश पर एवं शिव सेना प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बारी, प्रदेश प्रवक्ता कन्हैया तिवारी की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश राज्य प्रमुख सुनील शर्मा जी द्वारा श्री मुकेश जी सराठे पिता श्री भैयालाल जी सराठे निवासी जबलपुर को जबलपुर महानगर प्रमुख के वायित्व के पद पर नियुक्त किया गया। इनकी इस नियुक्ति पर गजानंद गुप्ता, भवानी शंकर सतनामी, रिवी राज सोनी, जितेन्द्र पांडे, राजेश, सुमित यादव, संतोष, मोहन, संजय बेन, विजय गोटिया, विकास सराठे, भोला यादव, सुजीत ताम्रकार, ब्रजेश शास्त्री, जितेश पटेल, राज पटेल, मयंक, राहुल, सोनू, संजू आदि ने इनकी इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया है।

कृषि प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर सफलता हेतु सटीक कार्ययोजना महत्वपूर्ण - डॉ. धीरेन्द्र खरे

जनेकृविवि में कार्यशाला

जबलपुर यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से नाहेप और अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग एवं कृषि महाविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में जेआरएफ, एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता के साथ सफलता कैसे प्राप्त करें ऐसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे के मुख्य आतिथ्य में स्वामी विवेकानंद हॉल में आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यअतिथि की आंसदी से अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने कहा कि कृषि के छात्रों को जेआरएफ, एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने लिये उन्हें अपना लक्ष्य बनाकर समय प्रबंधन, विषयों पर सटीक जानकारी जुटाना सहित अन्य महत्वपूर्ण बातों का विशेष ध्यान देना होगा। ये कृषि क्षेत्र की परीक्षायें बेहद महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक हैं, जो छात्रों के कैरियर निर्माण में अतिउपयोगी होगी। कार्यशाला में मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित एग्रोनॉमी वैज्ञानिक, वॉटर टैक्नॉलॉजी सेंटर, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली डॉ. बिपिन कुमार ने भी कृषि के छात्रों को जेआरएफ एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता कैसे प्राप्त करें, ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रथम सीढ़ी से अंतिम सीढ़ी तक कैसे मेहनत और लगन से प्राप्त कर सकते हैं, मुख्य आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने स्वागत उद्बोधन एवं एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्र उत्कृष्टता कैसे प्राप्त करें और आगे बढ़े ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अमित झा ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस. के. पांडे, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी. बी. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर. के. नेमा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, मुख्यवक्ता डॉ. बिपिन कुमार सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

डोरीलाल की चिन्ता

हम लोग वो लोग

हम पति पत्नी सड़क किनारे खड़े किसी ऑटो वाले का रास्ता देख रहे थे। एक दो आकर जाने से इनकार कर चुके थे। सड़क में रोशनी कम थी और सड़क सुनसान थी। लग रहा था कि कितने जल्दी यहां से निकल जाएं। तभी वो आया। उसने ऑटो रोक दिया। हमने उसे बताया कि स्टेशन के पास फलां होटल जाना है। उसने कहा छोड़ देंगे।

''कितने पैसे''

''पचासई दे देना, चलो''

हम लोग बैठ गये। तीन दिनों से इस शहर में हैं। इस जगह का कभी सौ कभी सत्तर दे रहे थे। हमने सोचा ये सही रहा। सस्ता मिल गया। ऑटो चला जा रहा था। वो नौजवान था। साधारण हाफ शर्ट के उपर एक बंडी सी पहने था। उसके अंदर न जाने क्या उमड़ घुमड़ रहा हो, अचानक वह पल्टा। बोला - अंकल जी ये सब क्या चल रहा है देश में हिन्दु -मुसलमान। कैसा मच गया है ? अब मेरे दिमाग की घंटी बजी। हम मियां बीवी ने अंजान बनते हुए कहा ''क्या हुआ ?'' उसने कहा '' आज का पेपर नहीं पड़े आप ? इलाहाबाद में कैसे गोलियां चल गई ?

''अरे हां मालूम है वो अतीक अहमद को मार डाला है न'' मैंने कहा

'सब राजनीति के खेल हैं, वोट के लिए ये लोग कुछ भी कर सकते हैं।'' मैंने ऐसा कह कर बात समेटी। और चुप हो गया। वो भी चुप हो गया।

अब मेरे अंदर मंथन शुरू हो गया। ये बच्चा जो ऑटो चलाता है शायद अपना घर भी यही चलाता होगा। रात को टी वी में खबर देखकर ये घर से न निकला होगा। कल कुछ भी हो सकता है। सब घरों में दुबके होंगे। दिन में अम्मी ने पड़ोस में धीरे धीरे बात की होगी। जब दिन ढलने लगा होगा तो लगा होगा कि शायद आज का दिन तो निकल गया। तब इस बच्चे ने कहा होगा कि ऑटो का किराया तो लगेगा ही, अम्मी मैं दो चार घंटे ऑटो चला कर आता हूं। अम्मी कुछ नहीं होगा। तुम चिंता मत करो। ये डरते डरते निकला होगा। अम्मी ने दरवाजे के पास खड़े होकर बच्चे को देखा होगा। मन ही मन दुआ कर रही होगी। मेरा बच्चा अच्छा भला लौट आए।

वो घर से चौकन्ना निकला होगा। चारों तरफ देखते हुए। तभी हम लोग दिख गये। इसलिए उसने हमसे कहा पचासई दे देना। मतलब ऐसी रकम कि सवारी बिदक न जाए। होटल आया तो होटल पर छोड़ा। हमने उसे पैसे दिए। वो बमुश्किल बाइस साल का होगा। मैंने उससे कहा 'बेटा, घबराओ मत, दुनिया में अच्छे लोग बहुत ज्यादा हैं। ये बुरा समय है। हिम्मत से काम लो। सम्हल कर काट लो। बहुत जल्द समय बदलेगा। सब ठीक हो जाएगा।''

डोरीलाल चिन्तित है हर धर्म हर जाति के उस बच्चे बच्ची नौजवान अधेड़ बुजुर्ग महिला पुरूष के लिए जो घर से अपनी पढ़ाई, कोचिंग रोजगार या व्यापार के लिए निकलता है और घर में बैठी मां, अम्मा, अम्मी, मम्मी दिन रात धड़कते दिल से उनकी बाट जोहतीं दरवाजे पर खड़ी रहती है। ये कैसा डरा हुआ भारत है।

राजनीतिज्ञ जानते हैं कि किसी एक शहर में एक घटना पूरी दुनिया और पूरे देश पर कैसा असर डालती है। हम लोग अपनी अपनी कालोनियों, मोहल्लों और घरों में, फ्लैटों में सुरक्षित बैठे हैं। लेकिन जो लोग मेहनत मजदूरी से रोज कमाते खाते हैं वो लोग इतने सुरक्षित नहीं हैं। अपनी कारों में सुरक्षित एक जगह से दूसरी जगह जाने वाले कुछ हजार हैं। बाकी अपना अपना काम धंधा करने वाले मेहनत मजदूरी करने वाले लाखों करोड़ों हैं। इन्हें घर से बाहर निकलना ही है। इन्हें जोखिम उठाना ही है। ये गरीब लोग ही दंगों फसादों में मारे जाते हैं।

देश और दुनिया को ''हम लोग'' ओर ''वो लोग'' में बांट दिया गया है। घर और मोहल्ले बंट गये हैं। धर्म बंट गये हैं। जातियां बंट गई हैं। शहरी और ग्रामीण बंट गये हैं। आदिवासी और गैर आदिवासी बंट गये हैं। कहीं हम लोग रहते हैं कहीं वो लोग रहते हैं। कहीं वो लोग इबादत या प्रेयर करते हैं कहीं हम लोग पूजा करते हैं। मगर सब लोग एक सा गेहूं चावल सब्जी मुर्गा मटन खाते हैं। एक सा पानी पीते हैं। हम लोग भी और वो लोग भी। एक सी मिलावट और धूल धुआं खाते हैं। एक दाम का पेट्रोल खरीदते हैं और एक सी दवाइयां खाते हैं और एक सी बीमारियों से मरते या बचते हैं। हमारी घृणा हमारी नफरत का हर कुछ दिनों में नवीनीकरण होता रहता है। ज्योंहि हम कुछ भूलने लगते हैं और मिलजुल कर रहना शुरू करते हैं जिंदगी के बुनियादी सवालों को उठाना शुरू करते हैं कि फिर कोई नया फसाद सामने आ जाता है। फिर इस घृणा का रूपांतरण चुनावों में होता है। इकतरफा वोट पड़ते हैं।

छेड़िये इक जंग मिलजुलकर गरीबी के खिलाफ
दोस्त मेरे मजहबी नगमात को मत छेड़िये

– अदम गोंडवी

डोरीलाल शांतिप्रेमी

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर विशाल शोभायात्रा आज शाम

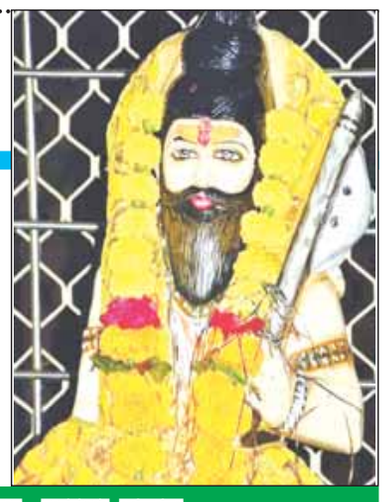

जबलपुर, यशभारत। ब्राह्मणों के आराध्य भगवान परशुराम जी के प्राकटोत्सव के पावन अवसर पर संस्कारधानी में शुक्रवार को विशाल शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विशाल शोभा यात्रा रानीताल चौक से सांय 4.00 बजे आरंभ होकर लोहियापुल गढाफाटक, शंकर घी भण्डार, चरहाई, घमंडी चौक, बडा फुहारा, कमानिया गेट, सराफा बाजार होते हुए कोतवाली थाने के समक्ष संपन्न होगी। इस विशाला शोभा यात्रा में विभिन्न प्रादेशिक क्षेत्रयी भाषायी सहित समस्त ब्राह्मण वर्गों, समूहों की सहभागित सपरिवार मातृशक्ति एवं बाल शक्ति सहित प्राथनीय है। शोभा यात्रा के समापन स्थल पर भगवान परशुराम जी के भोग प्रसाद भोज की व्यवस्था की गई है। इस शोभा यात्रा में भगवान परशुराम वंशज,ब्राह्मण एकता मंच भार्गव समाज जबलपुर ब्राह्मण संगठन,ब्राह्मण मंच संयुक्त भारतीय धर्मसंसद, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद, श्री शिव शारदा मंदिर के पदाधिकारी व सदस्य शामिल होंगे शोभा यात्रा में भाग लेने हेतु अनुरोध- एड. सुधीर नायक, पं. योगेन्द दुबे, राम दुबे, अमरीश मिश्रा, गुड्डु चौबे, पंकज पाण्डेय, संतोष दुबे, श्याम दुबे , आचार्य राजेश्वर, मनीष पाठक नरेन्द्र दुबे, राहुल दुबे,अटल उपाध्याय, आशुतोष तिवारी, रजनीश पाण्डे, अभिषेक मिश्रा, देवदत्त शुक्ला, सोनल दुबे, विष्णु पाण्डेय, सिद्धार्थ मिश्रा, आलोक अग्निहोत्री, अमित तिवारी, ब्रजेश मिश्रा, दुर्गेश पाण्डेय, सी. एन. शुक्ला, केशव मिश्रा, ईशान नायक, समर्थ मिश्रा, नरेश शुक्ला, गोविन्द विल्थरे, रजनीश तिवारी, प्रियांशु शुक्ला आर्यन मिश्रा, विवेक तिवारी, श्यामनारायण तिवारी, श्री मती नमिता तिवारी, अदिति दुबे,आदि अधिक से अधिक स्वजाति बंधुओं से पहुंचने की अपील की है।

परशुराम धाम, गौरी घाट में कल अभिषेक, कन्या पूजन

परशुराम धाम, गौरी घाट में 22 अप्रैल शनिवार सुबह 8.30 बजे से भगवान परशुराम का अभिषेक, स्वस्तिवाचन हवन पूजन मंगल आरती होगा। द्वितीय चरण में शाम 5.30 बजे सुंदरकांड भजन संगीत वृहद कन्या पूजन भंडारा भगवान परशुराम जी की महा आरती हांगी। कार्यक्रम में जगतगुरु राघव देवाचार्य, अखिलेशनंद , पगला नंद , नगर पंडित सभा वासुदेव शास्त्री धनुष यज्ञ रामलीला अध्यक्ष सीताराम कुरचानिया महिला मानस मंडल संध्या दुबे पुष्पा तिवारी श्रीमती सुनीता पांडे मुख्य यजमान के रूप में जगत बहादुर सिंह अन्नू भारतीय जनता पार्टी प्रभात साहू उत्तर मध्य विधायक विनय सक्सेना एमआईसी अमरीश मिश्रा पार्षद श्रीमती अंशुला राघवेंद्र यादव श्री राम शुक्ला , द्वारा प्रभु की आरती की जाएगी, डॉक्टर अरुण मिश्रा यदुवंश मिश्रा पंडित धनंजय बाजपेई रावेंद्र तिवारी आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर से कल विशाल वाहन रैली

म. प्र. प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार विशाल वाहन रैली अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर, गौतम गंज, गढ़ा से सायं 4 बजे से आयोजित हैं। यह विशाल रैली गुलौआ चौक, बी. टी. तिराहा, आनंद कुंज, गढ़ा बाजार, शाही नाका, कछपुरा ब्रिज, यादव कालोनी, रानीताल, मालवीय चौक, बड़ा फुहारा, कोतवाली, मिलौनीगंज चौक होते हुए शतकतु आश्रम में समाप्त होगी। इस विशाल रैली में अनेक धर्माचार्य व आध्यात्मिक विभूतिया भी सम्मिलित होंगी। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक छोटी-छोटी रैलियां उद्गम स्थल में सम्मिलित होंगी । शोभायात्रा मार्ग में अनेक जातीय व सामाजिक, राजनैतिक संगठन जगह-जगह भगवान परशुराम की आराधना करे रैली का स्वागत करेंगे। समापन स्थल पर गोविन्द स्कूल में गोवर्धन पीठ के परम पूज्य शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद जी धर्म सभा को संबोधित करेंगे।

विप्रों ने की 15 फुट ऊंचे फरसे की आराधना

22 अप्रैल को आयोजित विशाल वाहन रैली को सफल बनाने 15 फुट ऊंचे फरसे की आराधना कर विप्र समुदाय ने रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आशीष त्रिवेदी, अखिलेश दीक्षित, बृजेश दुबे ,सिद्धार्थ शुक्ला ,रत्नेश दुबे ,प्रशांत अवस्थी, पूर्व पार्षद सुधीर शुक्ला , शैलेष पाठक ,,असीम त्रिवेदी शेखर तिवारी ,मुन्ना पांडे ,अपूर्व त्रिवेदी , बृजेश बबेले ,शुभम मिश्रा ,वैभव पाठक ,संदेश दीक्षित, कैलाश दुबे , हर्षुल त्रिवेदी ,नीलेश शास्त्री ,सुरेंद्र सिंह ठाकुर, संजय शर्मा ,मनीष दुबे आदि उपस्थित थे।

विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह कल

भगवान परशुराम जी के प्राकट्योत्सव पर समरसता सेवा संगठन द्वारा शनिवार 22 अप्रैल को दोपहर 2 बजे विचार गोष्ठी एवँ ब्राह्मण समाज के प्रमुख जनो का सम्मान कार्यक्रम अग्रसेन कल्याण मंडपम विजय नगर में आयोजित किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने बताया सामजिक समरसता के परिपेक्ष्य में समरसता सेवा संगठन के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार भगवान परशुराम जी के प्राकट्योत्सव पर विचार गोष्ठी का माध्यम से उनके व्यक्तित्व एवँ कृतित्व के साथ ही ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जनो का सम्मान कार्यक्रम आयोजित है। समरसता सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने उपस्थिति की अपील की है।

व्हील चेयर महापौर कप किक्रेट में टीकमगढ़ विजेता

बारिश के कारण डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर हुआ फैसला

जबलपुर, यशभारत। शहर में आयोजित दिव्यांगजन का प्रथम व्हील चेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच टीकमगढ़ ने जीत लिया। टॉस कराकर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने छतरपुर और टीकमगढ़ के बीच मैच की शुरुआत करवाई जिसमें छतरपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाये जिमसें दसरथ ने 26 व जगदीश ने 19 रन बनाए , देवेंद्र ने 2 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी टीकमगढ़ ने 4.1 ओवर में 2 विकेट पर 35 रन बना लिए जिसमें जय 23 रन बनाकर नॉटआउट रहे और अनिल ने 2 विकेट लिए बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर टीकमगढ़ टीम 10 रन से विजयी हुई। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट छतरपुर से अनिल सिंघानी बेस्ट बैट्समैन छतरपुर से राहुल कुशवाहा बेस्ट बॉलर टीकमगढ़से सलमान खान बेस्ट फील्डर छतरपुर से बसंत । फाइनल मैच के पहले एक मैत्री मैच एडवोकेटस के बीच खेला गया।जिसमें एडवोकेट एम.एस 11 ने एडवोकेट माही 11 को 7 रन से पराजित किया समापन समारोह पुरुस्कार वितरण में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू , आयोजक जबलपुर टीम के कैप्टन संजय रजक , उत्तम राव, राजेन्द रजक, एड.महेश सोनी, एड. गुरुप्रसाद सिंह कुशवाहा, एड.देवन्द काछि, एड.संदीप माली रितेश मालवीय जितेंद पटेल हर्वेन्द मन्नू सोनी अनुपम मालवीय शिवम सालवार आदि उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र.3583/अ-6/2022-2023
जबलपुर, दिनांक 20 / 04/ 2023

-: आम इश्तहार :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरप्रीत सिंह भरवाहा पिता हरिन्दर सिंह भरवाहा निवासी आदर्श नगर जबलपुर के द्वारा मौजा चावनपुर नब 304 पहनं स्थित भूमि खसरा नंबर 215, 216 में से रकवा 8100 वर्गफुट भूमि पर हरिन्दर सिंह भरवाहा की मृत्यु दिनांक 24/8/2022 को हो जाने के कारण वारसान हक में फौती / वसीयत नामांतरण हेतु आवदन पत्र प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 8/5/23 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 20/04/2023
पेषी दिनांक - 08/05/2023

अतिरिक्त तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड 1912

कार्या. कार्यपालन अभियंता (नगर संभाग दक्षिण)
PHONE- 0761-2661219, 2702430 E-MAIL- eecitysouthjbp@gmail.com

क्र. काअ/नसद/क्रय/154 **शुद्धिपत्र** जबलपुर, दिनांक 20.04.2023

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 04.04.2023 को प्रकाशित आम सूचना नगर संभाग दक्षिण न.बं.-599 पटवारी हल्का नंबर - 28/33 मौजा गढ़ा, खसरा क्रमांक - 189/2 समस्त रकबा कुल - 0.40 के घोषित अवैध कॉलोनी के बाह्य विद्युतीकरण हेतु सूचना प्रकाशित की गई, जिसमें खसरा क्रमांक 189/3 के स्थान पर 189/2 लेख कर प्रकाशित किया गया है, अतः प्रकाशित सूचना में खसरा क्रमांक 189/2 के स्थान पर खसरा क्रमांक 189/3 पढ़ा जावे।

कार्यपालन अभियंता (न.सं.द.)
म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1 जबलपुर

निविदा सूचनांक 01 वर्ष 2023-24 टेन्डर लिपिक — जबलपुर, दिनांक 12.04.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों की निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर आनलाईन भुगतान कर वेबसाईड के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते है।

क्र.	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ई एमडी टेण्डर फीस एवं निविदा से संभंदित अन्य अभि-लेख जमा करने हेतु
1	2	5	6	7	8	9	10	11
1	2023_PWDRB_267288_1	मु उप संभाग क्रमांक 1 के अंतर्गत सूखा ग्राम के आंतरिक मार्गों का निर्माण कार्य।	प्रथम	83.12	83120.00	10000.00	6 माह वर्षा ऋतु छोड़कर	केवल आनलाईन
2	2023_PWDRB_267290_1	म.प्र. उच्च न्यायालय के मुख्य भवन में सेसमिक बेल्ट का बचा हुआ कार्य एवं रूफ स्ट्रक्चर में अतिरिक्त ब्रेसिंग एलिमेंट का कार्य तथा प्रशासनिक भवन में फायर सेफ्टी से संबंधित कार्य (डिपाजिट कार्य)	प्रथम	55.33	55330.00	10000.00	6 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
3	2023_PWDRB_267291_1	मार्ग उपसंभाग के अंतर्गत बघराजी उपखंड के तहत आने वाले आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत का कार्य (बाउण्ड्री वाल एवं फ्रेंसिंग के कार्य सहित)	प्रथम	5.60	11200.00	2000.00	2 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
4	2023_PWDRB_267292_1	कलेक्ट्रेट उपखंड के तहत कलेक्ट्रेट बिल्डिंग में छत पर स्थित टायलेट का मरम्मत कार्य, 3 कोर्ट गार्ड का मरम्मत कार्य, पार्किंग में डस्ट फिलिंग का कार्य एवं अन्य कार्य।	प्रथम	19.97	40000.00	2000.00	4 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
5	2023_PWDRB_267293_1	आर्युवेदिक कालेज जबलपुर में हाल निर्माण का कार्य (डिपाजिट कार्य)	प्रथम	6.43	13000.00	2000.00	2 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
6	2023_PWDRB_267294_1	मु. उप संभाग क्र. 3 के अंतर्गत महिला बाल विकास परियोजना अर्बन 3 में बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कर्य एवं आफिस कम गोदाम में रेनोवेशन का कार्य। (डिपाजिट कार्य)	प्रथम	9.91	20000.00	2000.00	3 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
7	2023_PWDRB_267295_1	मु. उप संभाग क्र. 2 के अंतर्गत सेन्ट्रल जेल सेक्शन के तहत आाने वाले आवासीय भवनों में मरम्मत का कार्य।	प्रथम	19.00	38000.00	2000.00	4 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
8	2023_PWDRB_267541_1	मु उप संभाग क्र. 3 के अंतर्गत आनेवाले आवासीय भवनों में डिपाजिट का कार्य एवं आवासीय भवनों में मरम्मत का कार्य।	प्रथम	49.90	50000.00	5000.00	2 माह वर्षा ऋतु सहित	केवल आनलाईन
		कुल योग		249.26				

टीप :- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 29.04.2023 17.30 बजे तक है। अन्य तिथियों एवं विस्तृत विवरण व संशोधन आनलाईन वेबसाईट पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटन पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.1 जबलपुर

जी-11689/23

जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद का नगर आगमन

3 दिवसीय धार्मिक आयोजन में होंगे शामिल, करेंगे विशाल धर्मसभा

जबलपुर, यशभारत। अनंत विभूषित गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का डेढ़ घंटे विलंब से चित्रकूट एक्सप्रेस से आगमन हुआ रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों की तादाद में भक्तगण उपस्थित थे। महाराज जी सीधे गोपाल सदन संत निवास पहुंचे इस अवसर पर मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के प्रभारी संदीप पांडे नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल डॉक्टर अभिलाष पांडे डॉक्टर आदित्य मिश्रा डॉक्टर श्रद्धा तिवारी एचपी तिवारी मौजूद रहे। कार्यक्रम प्रभारी संदीप पांडे ने देते हुए बताया कि गोपाल सदन दमोहनाका में 21 अप्रैल की शाम 6 बजे विशाल धर्म सभा आयोजित की गई है। इसके अलावा पिसनहारी की मढ़िया गढ़ा में भी धर्मसभा आयोजित की गई है। डॉ. अभिलाष पांडे ने बताया कि गुरूजी के उद्बोधन वाले कार्यक्रम को सोशल मीडिया में लाइव दिखाने की भी व्यवस्था की गई है। उक्त पूरा कार्यक्रम पीठ परिषद् ,आदित्य वाहिनी, आनंद वाहिनी जबलपुर के तत्वाधान में अयोजित किया जा रहा है।

कल संगोष्ठी

डॉ. अभिलाष पांडे के अनुसार 22 अप्रैल की सुबह 11.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक संगोष्ठी और दीक्षा कार्यक्रम है जहां पर गुरूजी की पादुका पूजन का कार्यक्रम भी रखा गया है। फिर शाम 4.30 बजे हिंदू राष्ट्र परशुराम रैली शुरू होगी। इसके बाद हितकारिणी स्कूल गोविंदगंज पीठ परिषद्, आदित्य वाहिनी जबलपुर में 22 अप्रैल की शाम 6 बजे से 8 बजे तक महाधर्म सभा का आयोजन किया गया है।

23 को दीक्षा समारोह का आयोजन

23 अप्रैल को 11.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी और गुरू दीक्षा समारोह गोपाल सदन दमोहनाका में आयोजित किया गया है। इसी दिन शाम 7 बजे जगत गुरू शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ट्रेन से रवाना हो जाएंगे। पत्रकारवार्ता में संदीप पांडेय, डॉ. अभिलाष पांडे, डॉ. सुधीर अग्रवाल, अंकित दुबे, डॉ. प्रशांत दुबे, डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता, प्रीति बाजपेई ,सचिन अवस्थी, सुयश दुबे उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 01/वर्ष 2022-23/कार्य.यं. — नरसिंहपुर, दिनांक : 15.04.2023

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की अनु. (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्रमांक	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय मूल एफ.डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2023_PWDRB_267939_1	नरसिंहपुर	बी.टी. रिन्युवल	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत (1) एन.एच.-45 से रमपुरा पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. एवं (2) एन.एच.-12 से बिजौरा मार्ग लं. 5.00 कि.मी. का बी.टी. रिन्युवल कार्य। (सप्तम आमंत्रण)	58.16	58,500	10,000	सप्तम आमंत्रण	2 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
2	2023_PWDRB_267941_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत गिधवानी से भुगवारा सासबहू प्रधानमंत्री सड़क तक मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	106.39	1,06,500	12,500	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
3	2023_PWDRB_267942_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत गड़रिया खेड़ा प्रधानमंत्री सड़क तक मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	108.23	1,08,500	12,500	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
4	2023_PWDRB_267943_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत पिपरिया (लिंगा) से एन.एच. 44 मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. का निर्माण कार्य।	114.81	1,15,000	12,500	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
5	2023_PWDRB_267944_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत निवारी से पिपरिया (सासबहू) मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. का निर्माण कार्य।	164.19	1,64,500	12,500	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
6	2023_PWDRB_267945_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत खैरूआ से खामघाट मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	167.44	1,67,500	12,500	प्रथम आमंत्रण	8 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
7	2023_PWDRB_267947_1	नरसिंहपुर	निर्माण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत रमखिरिया से बिछुआ कला मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	186.69	1,87,000	12,500	प्रथम आमंत्रण	2 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
				योग	905.91					

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 26.04.2023, (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 26.04.2023, (17.30) बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

जी- 11671/23 — **कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग नरसिंहपुर**

संपादकीय

विपक्ष का नया अस्त्र जाति गणना

दो बार से केंद्र की सत्ता में काबिज मोदी सरकार को चुनौती देने के लिये विपक्षी एकता की जो इबारत लिखी जा रही है, उसके मूल में जाति गणना का मुद्दा सामने आया है। पहले इस मुहिम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगुवाई की। फिर राजद व द्रमुक के अलावा कई राज्यों ने भी ऐसी मांग दोहराई। अब अपने परंपरागत स्टैंड से इतर कांग्रेस ने जाति आधारित जनगणना की मांग उठाकर सब को चौंकाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जाति आधारित जनगणना करवाने पर जोर दिया है। कर्नाटक के कोलार में गत रविवार हुई एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति गणना का मुद्दा उठाया था। जाहिर है यह बात उन्होंने पार्टी के थिंक टैंक की रीति-नीति के अनुरूप ही कही होगी। कहीं न कहीं राहुल गांधी के मानहानि प्रकरण को भाजपा द्वारा पिछड़ों के अपमान के मुद्दे में तब्दील करने के बाद भी कांग्रेस डेमेज कंट्रोल में जुटी नजर आती है और भाजपा के अस्त्र से ही पलटवार करने का मन बना चुकी है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का यह स्टैंड विपक्षी एकता की कवायदों के बीच साझे मुद्दे के रूप में उछाला जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व दलील दे रहा है कि भाजपा को यदि अन्य पिछड़ा वर्ग की इतनी चिंता है तो वर्ष 2011 में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करे। दलील यह भी कि वर्ष 2011 में जाति जनगणना का निर्णय संप्रग सरकार के कार्यकाल में हुआ था। साथ ही यह भी कि तब कोशिश इसलिये सिरे नहीं चढ़ सकी थी कि क्रियान्वयन होने तक केंद्र में मोदी सरकार आ गई थी। जिसने इन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया। जाहिर है इस मुद्दे पर पहले भी खूब राजनीति हुई और आगे भी होती रहेगी। कहना कठिन है कि कांग्रेस समेत विपक्ष का इस मुद्दे के प्रचार का मकसद वाकई पिछड़ों व वंचितों का कल्याण करना है या सिर्फ अपना जनाधार बढ़ाना। कुछ लोग कांग्रेस की नीति में आये बदलाव की वजह यह भी बताते हैं ताकि कांग्रेस यह दिखा सके कि मुद्दों के मामले में वह शेष विपक्ष के साथ खड़ी है। निस्संदेह, इस मुहिम के जोर पकड़ने से भाजपा की मुश्किलें बढ़ जायेंगी। दरअसल, भाजपा सिद्धांत रूप में जाति जनगणना के पक्ष में नहीं रही है। उसे मालूम है कि देश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल व जनता दल यूनाइटेड आदि के जनाधार का मुख्य आधार जातीय ध्रुवीकरण ही रहा है। जिसके चलते पिछड़े व वंचित वर्ग का कितना उत्थान हुआ ये कहना तो मुश्किल है, लेकिन इन दलों का परिवारवाद खूब फला-फूला है। लेकिन इतना तो तय है कि यह कवायद कालांतर आरक्षण के फार्मूले में बदलाव की मांग तक जायेगी। जातीय आधार पर गणना से सामने आने वाले आंकड़ों के जरिये विभिन्न जातियों के लिये नये सिरे से आरक्षण के निर्धारण की भी मांग उठेगी। उनकी सत्ता में भागीदारी बढ़ाने की भी बात कही जायेगी। लेकिन सवाल यह भी सामने आएगा कि 21वीं सदी में अमृतकाल से गुजरते देश में समतामूलक समाज के विकास का रास्ता क्या आरक्षण से होकर ही गुजरेगा? या फिर हाशिये पर गये लोगों के लिये आरक्षण को न्यायसंगत बनाने की भी पहल होगी। इस मुद्दे पर राजनीतिक चश्मे के बजाय राष्ट्रीय सरोकारों का भी ध्यान रखना होगा।

22 अप्रैल अक्षय तृतीया : भगवान परशुराम जी का अवतार दिवस

सबसे व्यापक और प्रचण्ड अवतार है परशुरामजी का

झूठी है उनके क्रोधी होने और क्षत्रिय क्षय की बातें पृथ्वी पर सत्य, धर्म और न्याय की स्थापना के लिये भगवान् नारायण ने अनेक अवतार लिये हैं। इनमें परशुरामजी का अवतार पहला पूर्ण अवतार है। जो सर्वाधिक व्यापक है। संसार का ऐसा कोई कोना, कोई क्षेत्र या कोई देश ऐसा नहीं जहाँ भगवान् परशुरामजी की स्मृति या चिन्ह नहीं मिलते हों। उन्होंने संसार में शाँति और मानवता की स्थापना के लिये पूरी पृथ्वी की सतत यात्राएँ की। यदि यह कहा जाय कि विश्व में आर्यत्व की स्थापना भगवान् परशुरामजी ने ही की तो यह सच्चाई का महत्वपूर्ण तथ्य होगा। भगवान् परशुरामजी का चरित्र वैदिक और पौराणिक इतिहास में सबसे प्रचण्ड और व्यापक है। उन्हें नारायण के दशावतार में छठे क्रम पर माना गया। वे पहल पूर्ण अवतार हैं। उन्हें चिरजीवी माना गया इसीलिए ऊनकी उपस्थित हरेक युग में मिलती है। उनका अवतार सतयुग के समापन और त्रेता युग आरंभ के संधि क्षण में हुआ। वह वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया थी। चूँकि उनका अवतार अक्षय है इसलिये यह तिथि अक्षय तृतीया कहलाई। इस तिथि का प्रत्येक पल शुभ होता है। उनका अवतार एक प्रहर रात्रि के शेष रहते हुआ इसलिये यह ब्रह्म मुहूर्त कहलाया। उनकी उपस्थिति सतयुग के समापन से आरंभ होकर कलियुग के अंत तक रहने वाली है। इतना व्यापक और कालजयी चरित्र किसी देवता, ॠषि अथवा अवतार का नहीं मिलता। उन्होंने ही वह शिव धनुष राजा जनक को दिया था जिसे भंग करके रामजी ने माता सीता का वरण् किया। परशुराम जी ने ही वह विष्णुधनुष रामजी को दिया था जिससे लंकापति रावण का उद्धार हुआ। इसी प्रकार भगवान् श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र और गीता का ज्ञान भी देने वाले भी परशुरामजी ही हैं। पुराणों यह भी उल्लेख है कि धर्म रक्षा केलिये कलयुग में कल्कि अवतार होगा तब उन्हें शस्त्र और शास्त्र का ज्ञान देने के निमित्त भी भगवान परशुराम जी ही होंगे।

भगवान् परशुरामजी का अवतार ॠषिकुल में हुआ हैं। भगवान परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि हैं और माता रेणुका सूर्यवंशी प्रतापी सम्राट राजा रेणु की पुत्री हैं। भगवान् परशुरामजी पांच भाई और एक बहन हैं। भगवान् परशुरामजी के सात गुरू हैं। पहली गुरू माता रेणुका हैं, दूसरे गुरु पिता महर्षि जमदग्नि। तीसरे गुरू महर्षि चायमान, चौथे गुरु महर्षि विश्वामित्र, पाँचवे गुरु महर्षि वशिष्ठ, छठें गुरु भगवान् शिव और सातवें गुरु भगवान् दत्तात्रेय हैं। भगवान् शिव की भक्ति तो पूरा संसार करता है पर उनके एक मात्र शिष्य भगवान् परशुरामजी ही हैं। वे मन की गति से भ्रमण करते हैं। इसे मन व्यापक गति कहते हैं। उन्हे चिर यौवन का वरदान है अर्थात वे कभी वृद्ध नहीं होंगे। संसार को च्ब्रीविद्याज्ज का ज्ञान भगवान् परशुरामजी ने दिया। शक्ति की उपासना भी भगवान परशुरामजी से आरंभ हुई। भगवान परशुराम जी ने ही शक्ति आराधना का महर्षि सुमेधा को दिया। महर्षि सुमेधा ने ही आगे शक्तिसाधना के ग्रंथ रचे। परशुराम जी के ज्ञान, साधना, ओजस्विता और तेजस्विता के आगे कोई नहीं ठहर पाया। उनके आगे चारों वेद चलते हैं। पीठ पर अक्षय तीरों से भरा तूणीर रहता है। एक हाथ में शास्त्र हैं तो दूसरे में शस्त्र। वे श्राप देने और दंड देने दोनों में समर्थ हैं। यह क्षमता किसी और अवतार में या ॠषि में नहीं। उन्होंने यदि प्रत्यक्ष युद्ध करके आततायों का हनन् किया है तो तप करके शिवजी को प्रसन्न भी किया है। उन्होंने समाज निर्माण केलिये दो बार विश्व की यात्रा की है। ॠषि रूप वेद ॠचाओं का सृजन भी किया है। ॠग्वेद के दसवें मंडल का एकसौ दसवां सूक्त भगवान् परशुरामजी द्वारा ही सृजित है। लेकिन मध्यकाल में जिस भारत के मानविन्दुओं को कलंकित किया गया उसी प्रकार भारत के आदर्श चरित्र गाथा में अनेक कूटरचित कथाएँ जोड़कर विवादास्पद बनाने का कुचक्र चला। आक्रामण कारियों का घोषित नारा था च्बाँटो और राज करोज्ज इसके अंतर्गत ही भगवान परशुराम जी की गाथा में कुछ प्रसंग जोड़े। जो पूरी तरह असत्य और भ्रामक हैं।

असत्य और भ्रामक आक्षेप

भगवान् परशुरामजी पर दो आक्षेप लगाये जाते हैं एक तो यह कि उन्होंने क्षत्रियों का क्षय किया दूसरा यह कि वे बहुत क्रोधी थे। ये दोनों आक्षेप असत्य हैं और समाज में भेद पैदा करने के लिये कुछ विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा रचित हैं। ताकि भारतीय समाज को विभाजित कर भारत को दास बना सकें। वे अपने षडयंत्र में सफल भी हुये। लेकिन अब हमें स्वयं अध्ययन करके समस्त भ्रांतियों का निवारण करना चाहिए। इन दोनों प्रश्नों पर शास्त्रों में पर्याप्त प्रमाण है। श्रीमद्भागवत में स्पष्ट है कि दुष्टं क्षत्रम् शब्द आया है। अर्थात च्दुष्ट राज्यज्ज। पुराण कथाओं में तीन शब्द आतें हैं क्षत्र, क्षत्रप और क्षत्रिय। इन तीनों शब्दों में अंतर होता है। क्षत्र यनि राज्य, क्षत्रप यनि राजा और क्षत्रिय यनि राज्य के लिये समर्पित। यदि शब्द दुष्ट क्षत्रम् है तो उसका अर्थ हुआ ऐसे राज्य जो दुष्टता करते थे। महाभारत के एक प्रसंग में भगवान् शिव ने आदेश दिया कि च्तुम मेरे समस्त शत्रुओं का वध करोज्ज। संस्कृत में शब्द चाहे च्क्षत्रज्ज आया हो या च्क्षत्रपज्ज लेकिन हिन्दी अनुवाद में सीधा क्षत्रिय ही करके भ्रम फैलाया गया। परशुराम जी के संदर्भ में क्षत्रिय शब्द का पहली बार कालिदास के रघुवंश में हुआ और यहीं से ने क्षत्रिय विनाश के किस्से चल पड़े। इसके बाद जो साहित्य रचा गया उसमें इसके वर्णन में विस्तार होता गया। भला बताइये भगवान् परशुरामजी नारायण के अवतार हैं क्षत्रिय की उत्पत्ति नारायण के बाहुओं से हुई तो क्या नारायण स्वयं अपनी बाहुओं का विनाश करने के लिये अवतार लेंगे? इसके अतिरिक्त उनकी माता देवी रेणुका क्षत्रिय, उनकी दादी देवी सत्यवती क्षत्रिय, भृगु वंश की अनेक ॠषि कन्याएं क्षत्रियों को ब्याहीं तब भला कैसे वे क्षत्रिय विरोधी अभियान छेड़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त एक बात और नारायण जब भी अवतार लेते हैं। उनके अवतार के जीवन की प्रत्येक कार्य का कहीं न कहीं निमित्त होता है। यदि किसी अवतार में पत्नि वियोग होना है, वानरों का साथ लेना है, एक ही विवाह करना या एक से अधिक विवाह करना या रणछोड़ का आक्षेप लगना सब निर्धारित होता है। इसीलिए नारायण के अवतार के कार्यों को कर्म नहीं लीला कहा जाता है। नारायण के किसी प्रसंग में किसी शास्त्र में यह उल्लेख नहीं आया कि कभी वे क्षत्रिय हंता बनेंगे। अतएव यह भ्रामक बात समाज को मन से निकालनी होगी। समाज को बाँटने के यूँ भी कम षडयंत्र नहीं हो रहे। अतएव हमें जाग्रति के साथ सत्य को समझाना चाहिए। उन पर दूसरा आक्षेप लगता है क्रोधी होने का। लोग कहते हैं कि भगवान परशुरामजी बहुत क्रोधी हैं। यह आक्षेप भी तथ्य हीन है। क्रोध राक्षसों को आता है दैत्यों को आता है। क्रोध तमोगुण है। हमारे प्रत्येक शास्त्र में क्रोध से दूर रहने को कहा गया है। क्रोध को अग्नि कहा गया है। जिस प्रकार अग्नि सबसे पहले अपने ही केन्द्र को जलाती है ठीक उसी प्रकार क्रोध भी उसी व्यक्ति को पहले नष्ट करता है जो क्रोध करता है। परशुरामजी नारायण का अवतार हैं। नारायण तो सदैव मुस्कुराते हैं कभी क्रोध नहीं करते। तब नारायण का कोई अवतार क्रोध करेगा ? वह शब्द रोष है। रोष में भरकर उन्होंने दुष्टों का नाश किया। गुस्सा तीन प्रकार का। माता का और गूरू का गुस्सा सतोगुणी होता है जिसे रोष कहते हैं। पिता और राजा का गुस्सा रजोगुणी होता है जिसे कोप कहते हैं। जबकि दुष्टों और दानवों का गुस्सा अहंकार से उत्पन्न होता है यह तमोगुणी होता है इसे क्रोध कहते है। भगवान् परशुरामजी नारायण का अवतार हैं, ॠषि हैं गुरू हैं उनका गुस्सा रोष है। संस्कृत में रोष शब्द ही आया है जिसका हिन्दी अनुवाद क्रोध के रूप में हुआ और भ्रान्तियाँ फैली। जिन्हे समाज को बाँटने के लिये योजना पूर्वक प्रचारित किया गया।

पूरे विश्व में चिन्ह

भगवान परशुराम जी से संबंधित प्रसंग पूरे विश्व में मिलते हैं। उनके विभिन्न नामों में एक नाम भृगुराम भी है। यह शब्द अपभ्रंश होगा बगराम बना। अफगानिस्तान में भी बगराम नामक स्थान है यहां विमानतल भी बना है। एक बगराम नगर ईराक में भी है। लैटिन अमेरिका की खुदाई में श्रीयंत्र जैसी आकृति निकली है। भगवान परशुराम जी के कहने पर मय दानव पाताल गया था। संभवतः मय दानव से ही लैटिन अमेरिका की च्मायन सभ्यताज्ज विकसित हुई होगी। रोम की खुदाई में पत्थर पर उकेरी गई एक ऐसी आकृति निकली जिसके कंधे पर धनुष बाण है और परशु जैसा शस्त्र भी। यद्यपि इस आकृति के सिर पर टोप तो रोमन ही पर परशु और धनुष बाण धारण करने वाले एक मात्र परशुराम जी हैं। संभव है कि रूस नाम ॠषिका का अपभ्रंश हो। पर इसपर व्यापक शोध की आवश्यकता है। मैक्समूलर की एक पुस्तक है च्हम भारत से क्या सीखेंज्ज इस पुस्तक के अनुसार संसार का ज्ञान भारत से ईरान पहुँचा और ईरान से पूरे विश्व में। इस कथन से भी यह धारणा प्रबल होती है कि विश्व में जो परशुराम जी से मिलते जुलते शब्द या चिन्ह मिलते हैं वे सब परशुराम जी से ही संबंधित हो सकते हैं।

इस प्रकार भगवान परशुराम जी अवतार विश्व व्यापक है, सबसे प्रचण्ड है ।और संसार में अधर्म का नाश करके सत्य की स्थापना करने वाला है।

-रमेश शर्मा

मेडिकल टूरिज्म में छलांग लगाता भारत

भारत को मेडिकल टुरिज्म के हब के रूप में स्थापित करने को लेकर जो कोशिशें बीते कुछ सालों से चल रही हैं उनके सुखद परिणाम अब सामने आने भी लगे हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीपद नाईक ने हाल ही में गोवा में आयोजित जी-20 से जुड़े के एक कार्यक्रम में बताया कि पिछले साल भारत में 14 लाख विदेशी पर्यटक मात्र इलाज के लिए भारत आए। जाहिर है, इनमें वे भी शामिल हैं जो रोगियों के साथ आए थे। यह आंकड़ा ही साबित करता है कि भारत की मेडिकल सुविधाओं को लेकर दुनिया में भरोसा बढ़ रहा है। यह तो अभी शुरुआत है। अभी तो भारत को बहुत सी मंजिलों को पार करना है। आप दिल्ली,चंडीगढ़,मुंबई वगैरह के किसी भी प्रतिष्ठित अस्पताल में खुद जाकर देख लें। वहां आपको अनेक विदेशी रोगी और उनके परिजन बैठे मिल जाएंगे। इनमें अफ्रीकी और खाड़ी देशों के रोगियों की तादाद भी खासी रहती है। भारत में ओमन,इराक, मालदीव, यमन, उज्बेकिस्तान, सूडान वगैरह से भी रोगी आ रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान के संबंध सुधर जाएँ तो हर साल सरहद के उस पार से भी हजारों रोगी हमारे यहां इलाज के लिए आने लगेंगे। कुछ सीरियस मरीज तो अब भी आते हैं। कहना नहीं होगा कि इन रोगियों के भारत में आने से देश को अमूल्य विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होती है। जब भी एक रोगी भारत आता है तो उसके साथ दो-तीन रोगी की देखभाल के लिए सहयोगी भी आते हैं। ये महीनों होटलों में रहते हैं। भारत में हृदय रोग, अस्थि रोग, किडनी, लिवर ट्रांसप्लांट, आंखों और बर्न इंजरी के इलाज के लिए सबसे अधिक विदेशी रोगी आते हैं। दुनियाभर में बसे भारतवंशी भी अब यहां पर इलाज के लिए आने लगे हैं। राजधानी के अपोलो अस्पताल से जुड़े हुए मशहूर प्लास्टिक सर्जन डॉ. अनूप धीर कहते हैं कि उनके पास हर महीने कुछ विदेशी रोगी इलाज के लिए आ जाते हैं। अगर हमारे यहां भी इलाज सस्ता होता रहे तो यकीनन देश मेडिकल टुरिज्म के क्षेत्र में लंबी सफल छलांग लगाने की स्थिति में होगा। भारत के पास अत्यधिक योग्य चिकित्सा पेशेवर और अत्याधुनिक उपकरण हैं। इसके अलावा, भारत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से समझौता किए बिना अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में कम खर्चीला उपचार विकल्प प्रदान करता है। भारत में इलाज का खर्च अमेरिका के मुकाबले करीब एक चौथाई है। यदि हम इस मोर्चे पर संभल कर चले तो फिर इलाज के लिए रोगी थाईलैंड, सिंगापुर, चीन और जापान जैसे देशों की बजाय भारत का ही रुख करने लगेंगे। ये सभी देश विदेशी रोगियों को अपनी तरफ खींचने की चेष्टा तो कर ही रहे हैं। मेडिकल टुरिज्म सालाना अरबों डॉलर का कारोबार है। इस पर भारत को अपनी पकड़ मजबूत बनानी होगी। इस क्षेत्र में भारत के सामने तमाम संभावनाएं हैं। दरअसल अब सारी दुनिया के लोग बेहतर इलाज के लिए अपने देशों की सरहदों को लांघते हैं। लेकिन, अपने यहाँ भारत के अस्पतालों की साफ-सफाई और नर्सिंग व्यवस्था में सुधार तो करना ही होगा। भारत में इलाज की बेहद कम लागत, उत्तम चिकित्सा तकनीकों और उपकरणों की उपलब्धता के चलते विदेशी मरीज यहां पर इलाज के लिए आते हैं। उन्हें यहां पर भाषा की समस्या से भी ज्यादा जूझना नहीं पड़ता। यहां पर अंग्रेजी बोलने वाले हर जगह मिल ही जाते हैं। यानी विदेशों से आए रोगियों के लिए भारत एक उत्तम स्थान है। कोरोना के आने से पहले भारत में मेडिकल टुरिज्म का बाजार 9 अरब डॉलर यानी 68 हजार 400 करो? रुपए तक पहुंचने का अनुमान था। लेकिन, कोरोना ने इस पर ब्रेक लगा दिया। जानकारों का कहना है कि दुनियाभर में हर साल एक-सवा करोड़ से ज्यादा लोग इलाज के लिए दूसरे देशों में जाते हैं।

आर.के. सिन्हा

आपका राशिफल 21 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली- 6141

ऊपर से नीचे:- / बाएं से दाएं: [illegible]

फिल्म वर्ग पहेली- 6140 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6654

***** कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6653 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

Liver के लिए दवा से कम नहीं हैं ये सुपरफूड्स!

लिवर हमारे शरीर का बहुत ही जरूरी हिस्सा है क्योंकि ये शरीर का मुख्य कार्य करता है। अगर सीधे तौर पर कहा जाए तो आप जो भी खाते हैं इसे पचाने के लिए लिवर हमारी मदद करता है। साथ ही जहां बॉडी डिटॉक्स करने की बात की जाती है तो वो काम भी हमारा लिवर करता है। ये हमारे शरीर से टॉक्सिनस निकालने का काम करता है। यह प्रमुख रुप से प्रोटीन का निर्माण करता है और साथ ही जरुरी पोषक तत्व को फैट में परिवर्तित करता है। शरीर के इतने अहम हिस्सा का ख्याल रखना भी बहुत जरुरी है क्योंकि लिवर हेल्दी रखेगा तो ही आप भी हेल्दी रहेंगे, वरना आपको कई बीमारियां घेर सकती हैं।

बैरीज

लीवर को हेल्दी रखने के लिए आप कई तरह की बैरीज का सेवन कर सकती हैं जैसे ब्लूबेरी, रसबेरी, क्रैनबेरी आदि। आपको बता दें कि इन बैरीज में पॉलीफेनोल्स नाम का एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह हमारी इम्यूनिटी बेहतर करने का काम करते हैं। इसके अलावा यह कोशिकाओं की प्रतिक्रिया को बढ़ाकर सूजन को भी कम करते हैं। जिससे लीवर को बीमारियों से दूर रखा जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों को कंप्लीट पैकेज माना जाता है। इन सब्जियों पोटेशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज मौजूद होते हैं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों और हानिकारक रसायनों को नष्ट करने में लीवर की मदद करते हैं। इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों में बहुत से अन्य पोषक तत्व भी होते हैं जो आपको बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बचाकर रखते हैं।

चुंकदर

चुंकदर का सेवन आमतौर पर वजन घटाने के लिए किया जाता है। लेकिन ये लीवर के लिए बहुत गुणकारी है। दरअसल चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो लीवर को ऑक्सीडेटिव डैमेज और सूजन की समस्या से बचाकर रखते हैं। इसके अलावा चुकंदर के यह गुण नेचुरल डीटॉक्सीफिकेशन एंजाइम को भी बढ़ाने का काम करते हैं।

यश भारत

क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)

• आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान • • दुकान/आफिस खरीदना बेचना • • ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य •

1 माह	15 दिन	7 दिन	3 दिन	1 दिन
Rs.1800/-	Rs.1200/-	Rs.500/-	Rs.250/-	Rs.150/-

व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ

भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन

बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9522920552, 9425160507
e-mail : jabalpur@yasshbharat.com

क्लासीफाइड

बेचना है

बरगी और बरगी बांध के बीच में सहजपुरी गांव में मेनरोड से लगी 18000 हजार फुट प्लाट डायवर्सन किया हुआ ढावा, होटल, वियर हाउस, पेंट्रोलपंप के लिए उपयुक्त। सामने आसपास मकान बने हैं। प्लेन जमीन 250 रुपए फुट।

संपर्क : 9399852725 (22 अप्रैल)

बेचना है

विजयनगर अहिंसा चौक की चाय साय बार की फ्रैन्चाइजी सामान सहित जिसमें डीप फ्रीजर,काफी मशीन, टोस्टर, फ्रायर, स्टूल, एस.बीआर कैमरा और फर्नीचर इत्यादि देना है।

संपर्क : 8085720560, 94254, 12908 (3 मई)

क्योर एण्ड केयर डेन्टल क्लीनिक

डॉ. शंकर हबलानी बी.डी.एस. (इंदौर)
विशेषताएं -रूट कैनाल ट्रीटमेंट, फिक्स दांत, बत्तीसी, दांतों की सफाई, टेढ़े मेढ़े दांतों एवं पायरिया इलाज।
पता- रेनबो कलर लैब के सामनेसतना बिल्डिंग जबलपुर मो. 9340734722, 9300049344
23 अप्रैल

शब्द पहेली - 7702

बाएँ से दाएँ
1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलान-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. अन्न,धर्म-3
22. उत्तम,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होंठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे
1. जल प्रपात-3
2. आईस-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शब्द-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधु-2
23. अच्छाई,भद्रता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली - 7701 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अब एक मई को अंतिम तर्क की तारीख तय

भोपाल गैस कांड पीड़ितों को 39 वर्ष से न्याय का इंतजार

भोपाल, यशभारत। भोपाल गैस कांड में 39 वर्षों से पीड़ित न्याय का इंतजार कर रहे हैं और बदले में मिल रही है तारीख पर तारीख...। जी हां, दो-तीन दिसंबर 1984 को हुए दुनिया के भीषणतम गैस कांड के 39 वर्ष बीतने को हैं, लेकिन अब तक गुनाहगारों को कोई सजा नहीं मिल पाई है। आज भी पीड़ितों को न्याय का इंतजार है। अब एक मई की तारीख नजदीक आ रही है। इस दिन भोपाल गैस कांड से जुड़े मामले में भोपाल जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव अंतिम तर्क सुनने वाले हैं।इस तारीख को नजदीक देख पीड़ितों में एक बार फिर न्याय की उम्मीद जाग गई है।

गैस कांड भोपाल के जेपी नगर में यूनियन कार्बाइड कारखाना (अब डाउ कैमिकल्स) से रिसी मिथाइल आइसोसाइनेट (मिक) गैस के कारण हुआ था, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी और लाखों प्रभावित हुए थे।

कुछ आरोपितों की मौत हो चुकी है

इस मामले में आरोपित बनाए गए सात आरोपितों में शामिल देश के जाने-माने उद्योगपति रहे महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के पूर्व चेयरमैन केशब महिंद्रा की 13 अप्रैल को मौत हो चुकी है। इसके पूर्व दो आरोपित विजय प्रभाकर और केवी शेट्टी की भी मृत्यु हो चुकी है। इस मामले की सुनवाई करने वाले सात न्यायाधीश बदल चुके हैं, इतना ही नहीं, मामले को न्यायालय में पेश करने वाले कई अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं या बदल चुके हैं लेकिन पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है।

केशब महिंद्रा यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष थे

दरअसल, केशब महिंद्रा यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष थे। भोपाल गैस कांड मामले में सीबीआइ ने अपनी चार्जशीट में कहा था कि यूनियन कार्बाइड के प्लांट की डिजाइन में गड़बड़ी थी और प्लांट के रखरखाव में लापरवाही बरती गई,

जिसके चलते गैस का रिसाव हुआ। इसके लिए केशब महिंद्रा भी जिम्मेदार हैं। इसी तरह किशोर कामदार, विजय प्रभाकर गोखले, जे. मुकुंद, एसपीएस चौधरी, केवी शेट्टी और एसआइ कुरैशी को आरोपित बनाने के पीछे अलग-अलग कारण दिए थे। इस मामले में तत्कालीन सीजेएम मोहन पी. तिवारी ने सात जून, 2010 को फैसला सुनाते हुए सातों आरोपितों को दो-दो साल की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई थी। आरोपितों ने जुर्माना अदा किया और निचली अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था।

सत्र न्यायालय में अपील की थी आरोपितों ने

इसके बाद इस फैसले के विरुद्ध आरोपितों ने सत्र न्यायालय में अपील की थी। निर्णय के बाद एक तरफ सीबीआइ ने गुनहगारों की सजा बढ़ाए जाने की एक अपील सेशन कोर्ट में लगाई तो दूसरी तरफ अपील के दौरान 25 अप्रैल 2022 को एसपीएस चौधरी की तरफ से उनके वकील अजय गुप्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 464 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया था।

सत्र न्यायालय में अपील पेश हुए 13 वर्ष बीतने को है लेकिन अपील पर सुनवाई पूरी नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि नौ फरवरी 1989 को सीजेएम कोर्ट ने यूनियन कार्बाइड कारखाने के मालिक वारेन एंडरसन के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। उसे एक फरवरी 1992 को भगोड़ा घोषित किया गया था। 29 सितंबर 2014 को फ्लोरिडा (अमेरिका) के एक नर्सिंग होम में एंडरसन की मौत हो चुकी है।

आरोपित एसपीएस चौधरी की ओर से लगाई अर्जी खारिज

25 अप्रैल 2022 को एसपीएस चौधरी की तरफ से उनके वकील अजय गुप्ता ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 464 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया था। इसमें न्यायालय से अनुरोध किया गया था कि सजा का निर्णय और आरोपियों पर जो चार्ज लगे हैं वह गलत है। इसलिए अपील पर निर्णय न करते हुए केस को दोबारा निचली कोर्ट में भेजा जाए, ताकि कोर्ट नए चार्ज लगाकर उसका निराकरण कर सके। इसे न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

शराब दुकानों से चाबी उठाकर गायब कर देता था बाइक

■ भोपाल, यशभारत।

क्राइम ब्रांच ने बाइक चोरी करने वाले एक ऐसे चोर को गिरफ्तार किया है, जो शराब के अहातों से सुराप्रेमियों की बाइक की चाबी चुराकर उसे गायब कर देता था। वह काम तलाशने के बहाने सड़कों पर घूम-घूमकर ऐसे अहातों में लापरवाह लोगों की रेकी करता था, जो शराब पीने के दौरान वाहन की चाबी टेबल पर छोड़ देते थे। बाद में वह चोरी के वाहनों को सागर के खुरई में सस्ते दामों पर ठिकाने लगा देता था।क्राइम ब्रांच ने इस साल पहली बार वाहन चोरी के खरीदारों को भी आरोपित बनाकर गिरफ्तार किया है। आरोपितों से फिलहाल पूछताछ जारी है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मंगलवार शाम को मुखबिर ने बागसेवनिया निवासी 22 वर्षीय राहुल गौर के बारे में सूचना दी थी कि हबीबगंज नाके पर राहुल नाम का एक संदिग्ध बाइक चोर कम दामों में बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में लिया और क्राइम ब्रांच लेकर आए, जहां पर उसकी पहचान की तस्दीक हुई। आरोपित से पूछताछ के बाद जब्त बाइक के कागजात मांगे, जो उसके पास नहीं थे। क्राइम ब्रांच को आरोपित ने पूछताछ में बताया कि उसने पिछले कुछ माह में बाइक चोरी की है। उसके बाद खुरई सागर में दो लोगों को चोरी के वाहन सस्ते दामों पर बेचकर ठिकाने लगा दिए हैं।

काम तलाशने के बहाने करता था रेकी

इन स्थानों से चुराए वाहन

वाहन चोर ने बागसेवनिया से दो, मिसरोद, रातीबड़, शाहजहांनाबाद, हनुमानगंज और एमपीनगर से एक-एक वाहन चोरी करने की बात कबूली है। आरोपित ने पुलिस को बताया कि बाइक चोरी करके वह खुरई सागर के रहने वाले 27 वर्षीय जितेंद्र कुर्मी और जीवन कुर्मी को बेच दिया करता था। जीवन 12वीं पास है और मनी आनलाइन की दुकान चलाता है। आरोपित से पूछताछ के बाद पुलिस बाइक खरीदने वाले दोनों लोगों को खुरई से गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली है।

शिवराज ने तीन बार जिला बनाने की सिर्फ घोषणा की

जनता चाहेगी तो बीना जिला बनेगा - कमल नाथ

■ भोपाल, यशभारत।

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ गुरुवार की सुबह बीना पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले बाबासाहब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मीडिया से रूबरू हुए। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं बहुत दिनों बाद बीना आया हूं। 18 साल में प्रदेश की तस्वीर आप सबके सामने है। भाजपा ने मप्र को खोखला बना दिया है। अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, औद्योगिक, सुरक्षा व्यवस्था सब बिग? चुकी हैं। आज हर वर्ग परेशान है। कमल नाथ ने बीना को जिला बनाने के मुद्दे पर कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने तीन बार यहां आकर सिर्फ घोषणा की। लेकिन जिला

नहीं बनाया। यहां की जनता चाहेगी तो कांग्रेस बीना को जिला बनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में पांच महीने बचे हैं। सागर के मतदाताओं पर हमारा विशेष विश्वास है। सागर जिले की राजनीति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पांच महीने और बचे हैं। कर लें, जितना करना है। फिर हम इनका हिसाब लेंगे। किसानों के कर्ज माफ वाले सवार पर कमल नाथ ने कहा कि प्रदेश में 27 लाख किसानों का कर्जा माफ हुआ। सागर जिले में 88 हजार का कर्जा माफ हमने किया। सरकार गलत आंकड़े प्रस्तुत करती है।

दिग्विजय सिंह द्वारा संगठन को कमजोर बताने के सवाल पर कमल नाथ ने कहा कि संगठन कमजोर नहीं है, हमारा बूथ मैनेजमेंट कमजोर है। भाजपा से नहीं, उनके संगठन से हमारा मुकाबला है। संगठन मजबूती की ओर जा रहा है। सबसे भारी बूथ प्रभारी का नारा भी उन्होंने दिया। सरकार बनने के बाद फिर सरकार नहीं गिरेगी, इसकी क्या गारंटी है, इस सवाल पर कमल नाथ ने कहा कि मुझे मेरे विधायकों पर विश्वास है। उनसे शपथ पत्र लेने की कोई जरूरत नहीं है।

दस दिन तक भोपाल नहीं आएंगी इंटरसिटी समेत अन्य ट्रेनें

■ भोपाल, यशभारत।

भोपाल से ग्वालियर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस 22 अप्रैल से दो मई तक भोपाल नहीं आएगी। यह बीना स्टेशन पर ही समाप्त कर दी जाएगी। इसी तरह 21 अप्रैल से बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस को दो मई तक व 22 अप्रैल से बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस तीन मई तक बीना पर ही रोकी जाएगी। भोपाल से जोधपुर के बीच चलने वाली जोधपुर एक्सप्रेस 21 अप्रैल से दो मई तक भोपाल नहीं आएगी, यह ट्रेन जोधपुर से कोटा के बीच चलेगी। भोपाल से बीना के बीच चलने वाली दोनों दिशा की मेमू ट्रेन को 22 अप्रैल से तीन मई तक निरस्त कर दिया है।

इसके अलावा एक मई को शुरुआती स्टेशन से चलने वाली 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस और 29 अप्रैल व एक मई को रवाना होने वाली 11465 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस जबलपुर-इटारसी-भोपाल होकर चलाई जाएगी। इसके अलावा डा. आंबेडकर नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस, इंदौर-पटना एक्सप्रेस, कामाख्या-डा. आंबेडकर नगर एक्सप्रेस आदि भी बदले रूट से चलेंगी। यह बदलाव निशातपुरा रेलवे स्टेशन को चालू करने की कवायद के चलते किया जा रहा है। इस अवधि में पुरानी व नई पटरियों को आपस में जोड़ा जाएगा।

तीन मई तक मेमू निरस्त

29 अप्रैल और दो मई को चलने वाली 22911 इंदौर-हावड़ा एक्सप्रेस और 29 अप्रैल व एक मई को रवाना होने वाली 22912 हावड़ा-इंदौर एक्सप्रेस बदले हुए रूट से चलेगी। इसके अलावा 30 अप्रैल को चलने वाली 19421 अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस और एक मई को रवाना होने वाली 19422 पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस, 29 अप्रैल को चलाई जाने वाली 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस भी बदले रूट से चलाई जाएगी। रेलवे ने एक मई को चलने वाली 22829 शालीमार-भुज एक्सप्रेस और 29 अप्रैल को रवाना होने वाली 22830 भुज-शालीमार एक्सप्रेस, एक मई को चलने वाली 19091 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस और दो मई को चलने वाली 19092 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को मक्सी-रुठियाई-गुना-महादेवखेड़ी-मालखड़ी (बीना छोड़कर) होकर चलाने का निर्णय लिया है। इस अवधि में इन गाड़ियों को बीना के पास मालखेड़ी स्टेशन पर दो मिनट के लिए रोका जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदेश के दो पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों को केंद्रीय गृह मंत्रालय करेगा पुरस्कृत

सीएम शिवराज ने दी बधाई

■ भोपाल, यशभारत।

पुलिस के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों को प्रतिवर्ष दी जाने वाली यूनियन होम मिनिस्टर ट्राफी के वर्ष 2021-22 के विजेता मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी और पुलिस प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दोनों पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। यूनियन होम मिनिस्टर ट्राफी से सम्मानित किए जाने वाले प्रशिक्षण संस्थानों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र के साथ 2 लाख रूपये की नकद राशि भी प्रदान की जायेगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में अलंकरण समारोह किया जाएगा। इसमें पुलिस प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी की ओर से निमिषा पांडेय एवं मप्र पुलिस अकादमी भौंरी भोपाल की ओर से मलय जैन यह सम्मान प्राप्त करेंगे।

गौरतलब है कि पश्चिम जोन के लिए आरक्षकों का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण केंद्र पुलिस प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी एवं उप पुलिस अधीक्षकों की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण अकादमी, मप्र पुलिस अकादमी भौंरी को चुना गया है।

प्रशिक्षण में नव प्रयोग तथा आधुनिक तकनीक का समावेश कर देश के पुलिस प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का लाभ देने में मप्र पुलिस अग्रणी रही है। प्रशिक्षण विशेषज्ञों को जोड़ने के लिये देश-विदेश के विश्वविद्यालयों एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू एवं विशेषज्ञता के आदान-प्रदान से उत्तम कोटि के परिणाम सामने आए।

देश के पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण का आकलन ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एवं डेवलपमेंट द्वारा निर्धारित मानकों पर किया जाता है। इसमें आरक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान एक कैटेगरी में तथा उप निरीक्षक एवं पुलिस उप अधीक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान अलग-अलग कैटेगरी में रख कर निर्धारित मापदण्ड पर बेहतर प्रशिक्षण पद्धति, संसाधनों का समुचित रख-रखाव एवं वर्ष भर में उत्कृष्ट प्रशिक्षण क्षमता प्रदर्शित करने वाले प्रशिक्षण संस्थान का चयन राष्ट्रीय स्तर पर गठित कमेटी द्वारा किया जाता है।

बैरागढ़ का युवक सूडान में फंसा, स्वजनों ने प्रधानमंत्री मोदी से लगाई मदद की गुहार

■ भोपाल, यशभारत।

सूडान में हिंसा के बीच बैरागढ़ निवासी एक युवक भारत वापस नहीं आ पा रहा है। चिंतित युवक के स्वजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है। युवक ने स्वजनों को फोन पर बताया कि उसके फ्लैट के सामने ही सेना का मुख्यालय है, यहां पर गोलीबारी हो रही है। कई कारतूस फ्लैट परिसर में आकर गिरे हैं। बैरागढ़ निवासी नरेंद्र केवलानी के अनुसार उनका पुत्र जयंत केवलानी कारोबार के सिलसिले में सूडान गया था। वैसे वह दुबई में कारोबार करता है। कुछ दिन के लिए सूडान गया था। 20 अप्रैल को उसे वापस भारत आना था। वापसी के दो दिन पहले ही वहां गृह युद्ध के हालात निर्मित हो गए। वहां की सेना और पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स के बीच वर्चस्व का संघर्ष हो रहा है। सेना मुख्यालय पर हमले के बाद वहां कोई नागरिक घर से बाहर निकलने की स्थिति में नहीं है। जयंत की बहन वंशिका केवलानी ने ट्विटर हैंडल के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद शंकर लालवानी आदि से मदद की गुहार लगाई है। वंशिका ने पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, दिग्विजय सिंह एवं वरिष्ठ नेता नरेश ज्ञानचंदानी को अपनी आपबीती बताई है। अनहोनी की आशंका से पूरा परिवार चिंतित है। पिता नरेंद्र केवलानी के अनुसार सुरक्षा की चिंता के साथ खाद्य सामग्री की कमी भी बड़ी चिंता है, क्योंकि जयंत एवं उसके साथ रह रहे तीन युवकों के पास दो-तीन दिन की खाद्य सामग्री ही बची है। यदि जल्द कुछ हल नहीं निकला तो हालात बिगड़ जाएंगे। जयंत सूडान की राजधानी खार्तूम में सेना मुख्यालय के पास ही फ्लैट में फंसा है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने कलेक्टर के निर्देश पर टीम का गठन

■ भोपाल, यशभारत।

जिले में अक्षय तृतीय पर बाल विवाह रोकने कलेक्टर ने टीम का गठन किया है। उनके निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी है जो कि विभिन्न परियोजनाओं में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम पर नजर रखेंगे। बाल विवाह होता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं ज्योतिषाचार्य का कहना है इस बार अक्षय तृतीया पर गुरु अस्त होने से विवाह का कोई मुहूर्त नहीं है। ऐसे में व्यापक वैवाहिक कार्यक्रम भी नहीं होंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बताया गया कि 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर अन्य वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। किसी भी स्थिति में बाल विवाह न हो, इसके लिए सभी प्रकार की तैयारियां की जा रही हैं। भोपाल जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के तहत बाल विवाह रोकथाम के लिए लाडो अभियान नाम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान यदि कोई बाल विवाह कराते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006, की धारा 9, 10, 11 एवं 13 के तहत कराने, सहयोग देने वाले व्यक्ति, संस्था, संगठन के खिलाफ दो साल का कारावास और एक लाख तक के जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, ज्योतिषाचार्य पंडित विष्णु राजौरिया ने बताया कि हम पूरी तरह से बाल विवाह का विरोध करते हैं। कभी ऐसी स्थिति या परिस्थिति आती है तो उसको रोक देते हैं। इस वर्ष अक्षय तृतीया पर व्यापक विवाह समारोह नहीं होंगे। क्योंकि गुरु का अस्त हो चुका है।

4 लाख 11 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराएंगे प्रधानमंत्री, रीवा में 24 अप्रैल को होगा कार्यक्रम

■ भोपाल, यशभारत।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रीवा आ रहे हैं। मोदी यहां प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के चार लाख 11 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराएंगे और जल जीवन मिशन के 7573.64 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम रीवा के एसएएफ ग्राउंड पर आयोजित होगा। इसकी तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह पंचायत राज संस्थाओं और ग्रामीण विकास के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। समीक्षा मुख्यमंत्री आवास पर की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर के पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे।

तीन नई ट्रेन को दिखाएंगे हरीझंडी

कार्यक्रम में रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण भी प्रस्तावित है। इसमें मध्य प्रदेश के रेल नेटवर्क के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ ही बीना-कोटा रेल खंड का दोहरीकरण, छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट रेल खंड का गेज परिवर्तन और विद्युतीकरण, बिरला नगर-उदी मोड फोर्ट रेलखंड, महोबा-खजुराहो-उदयपुरा रेल खंड का विद्युतीकरण शामिल है। प्रधानमंत्री इंदौर व ग्वालियर स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का शुभारंभ भी करेंगे और तीन नई यात्री रेल क्रमशः रीवा-इतवारी वाया छिंदवाड़ा यात्री ट्रेन, छिंदवाड़ा-नैनपुर यात्री ट्रेन एवं नैनपुर-छिंदवाड़ा ट्रेन को झंडी दिखाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना

वेबसाइट और मोबाइल एप का करेंगे शुभारंभ

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एकम समावेशी विकास वेबसाइट और मोबाइल एप, पंचायत राज संस्थाओं में ई-गवर्नेंस को सशक्त करने के लिए ई ग्राम स्वराज पोर्टल और पंचायत स्तर पर सामग्री क्रय के लिए जैम पोर्टल का भी राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ करेंगे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन, अमृत सरोवर, ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत विकसित होम स्टे, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, रीवा अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजना, बाणसागर परियोजना, ह्वाइट टाइगर (सफेद शेर) और कृषि संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

ध्रुव ने भगवान की भक्ति कर पाया मनचाहा वरदान : सियावल्लभ दास

वार्ड 11 में महिला सतसंग मंडल का आयोजन

सिहोरा, यशभारत। पुलिस थाने के पास वार्ड नम्बर 11 में राधे राधे सत्संग महिला मंडल के तत्वावधान में चल रही सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन ध्रुव चरित्र , प्रहलाद चरित्र की मीमांसा करते हुए व्यासपीठ से संत प्रवर सियावल्लभ दास वेदांती जी महाराज ने कहा कि सतयुग के दौरान अवधपुरी में राजा उत्तानपद राज किया करते थे। उनकी बड़ी रानी का नाम सुनीति था और उनके कोई संतान नहीं थी। देवर्षि नारद रानी को बताते हैं कि यदि तुम दूसरी शादी करवाओगी तो संतान प्राप्त होगी। रानी अपनी छोटी बहन सुरुचि की शादी राजा से करवा देती है। कुछ समय बाद सुरुचि को एक संतान की उत्पत्ति होती है। जिसका नाम उत्तम रखा। उसके कुछ

दिनों के बाद बड़ी रानी भी एक बालक ध्रुव को जन्म देती है। 5 वर्ष बाद जब राजा उत्तम का जन्म दिन मना रहे थे तो बालक ध्रुव भी बच्चों के साथ खेलता हुआ उनकी गोद में बैठ गया, जिस पर सुरुचि उठा देती है और उसे कहती है कि यदि अपने पिता की गोद में बैठना है तो अगले जन्म तक इंतजार कर। बालक ध्रुव यह बात चुभ जाती है और वह वन में जाकर कठिन तपस्या करने लगते हैं। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उन्हें दर्शन देते हैं और उन्हें मनचाहा वरदान देने का वचन देते हैं। इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि किसी से भेदभाव नहीं करना चाहिए और प्रभु की भक्ति में कोई विघ्न नहीं डालना चाहिए। कथा के पूर्व मंजू दुबे,निर्मल दुबे,अनीता त्रिपाठी,सरोज शुक्ला,सरोज पटेल, राधिका पटेल,अनीता शुक्ला,पार्वती नायक,पार्वती यादव,मीना पटेल, विनीता दुबे,दीपा तिवारी,संजना पटेल, माधुरी त्रिपाठी,अनीता लखेरा,मंजू मिश्रा,संजना पटेल,मधु ठाकुर आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

बिहारी पटेल बने सिहोरा ब्लाक कांग्रेस के कमेटी अध्यक्ष

सिहोरा, यशभारत। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती सोनिया गाधी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की मंशा अनुसार ब्लाक स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के विधानसभा क्षेत्र सिहोरा के अन्तर्गत ब्लाक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के अध्यक्ष पद पर नगर के जुझारू कर्मठ पूर्व पार्षद बिहारी पटेल को नियुक्त किया गया है। पटेल की नियुक्ति पर कांग्रेस जनों में हर्ष व्याप्त है।

मेट्रो बस की नियमित नहीं मिल रही सेवा

जवाबदार अनजान मासिक पासधारी परेशान

गोसलपुर, यशभारत। जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर की दूरी पर बसे सिहोरा ब्लॉक के गोसलपुर कस्बे मे दो साल पहले जबलपुर शहर से गोसलपुर के लिए मेट्रो बस का संचालन प्रारंभ किया गया परंतु कहीं प्राइवेट बस मालिकों की आपत्ति कहीं मेट्रो बस प्रबंधन की लापरवाही के चलते मेट्रो बस का संचालन नियमित न होने के कारण लोगों को सुचारू रूप से मेट्रो बस सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है लंबे अरसे से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर गोसलपुर तक मेट्रो बस की सेवा प्रारंभ की गई थी और इस सेवा को प्रारंभ कराने में जनसेवा समिति की महती भूमिका रही परंतु मेट्रो बस के संचालन के शुरुआती दौर में परिवहन विभाग द्वारा गोसलपुर तक के लिए 6 बसो के परमिट जारी किए गए सभी बसें गोसलपुर का तीन से चार चक्कर लगाती थी जिस कारण नगर व क्षेत्र से शहर की ओर जाने वाले विद्यार्थी किसान मजदूर व्यापारी डेली अप डाउनर के लिए मेट्रो बस का सुगम साधन था जिसके चलते लोगों ने बड़ी मात्रा में मासिक पास भी बनबाये परंतु धीरे-धीरे मेट्रो बस प्रबंधन की लापरवाही से अब सिर्फ एक या दो बस वर्तमान समय में चल रही हैं इससे कुशनेर नई बस्ती गांधीग्राम रामपुर बरनू तिराहा स्टेशन तिराहा गोसलपुर कछपुरा जुझारी के लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लोगों ने बताया के मेट्रो बस के नियमित संचालन न होने से मासिक पास धारियों को नुकसान उठाना पड़ता है जनसेवा समिति का एक प्रतिनिधि मंडल शीघ्र ही इस संबंध में जिले के मुखिया से गोसलपुर तक पूर्व की भांति बसों के संचालन के संबंध में चर्चा करेगा।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बने नारायण साहू

कुंडम, यशभारत। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर की अनुशंसा पर कुंडम ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर पूर्व जनपद सदस्य भवानी नारायण साहू को नियुक्त किए जाने पर रजनीश जायसवाल (बबलू भैया) प्रहलाद झारिया वरिष्ठ (पत्रकार) नीरज राय (बंटी) युवक कांग्रेस महासचिव अमित साहू युवक कांग्रेस अध्यक्ष विवेक जायसवाल उपाध्यक्ष जिला युवक कांग्रेस ग्रामीण राहुल जायसवाल गुड्डू पटवा पत्रकार संदीप साहू जनपद सदस्य दीपक नामदेव संदीप झारिया नरेंद्र साहू मुन्ना मोनू साहू सहित सैकड़ों कॉन्ग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर बधाईयां दी एवं कुंडम के समस्त लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है?.

मन में गौरव है अतीत का आओ अमृत काल मनाएं

बरगी, यशभारत। शासकीय महाविद्यालय बरगी और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान विषय पर डॉ पद्मा माहेश्वरी की अध्यक्षता तथा डॉ अजय कुसरे के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया.कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की वंदना से की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सोहन सिंह प्रांत सह संयोजक ने बड़े तथ्यात्मक ढंग से जनजाति वीर नायक नायिकाओं का विस्तार से उल्लेख किया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नीरज सिंहजिला अध्यक्ष भाजपा ,सुश्री दमयंती ठाकुर समाज सेविका ने जनजाति समाज की जीवन शैली पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि डॉ अजय जी ने जनजाति समाज के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की .प्राचार्य डॉ माहेश्वरी मैडम ने साधन विहीन नायकों की बहादुरी के किस्से छात्र-छात्राओं के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया. लगभग 100 जनजातीय नायक नायिकाओं के चित्र प्रदर्शनी से छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता कुजुर और आभार प्रदर्शन डॉ. अमिता सिंह ने किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री विशाल यादव ,डॉ ए के दास गुप्ता डॉ. पूजा, श्री हर्ष ,श्री तरुण एवं समस्त कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा कार्यक्रम में लगभग 81विद्यार्थी उपस्थित थे।

बरेला मे अवैध ईट- भट्टे फैला रहे हैं नगर में प्रदूषण

बरेला यशभारत। बरेला मैं बिना परमिशन के पड़वार रोड थाने के पीछे बमबम पुरा गोटी ताल मोहल्ला 1 सैकड़ा से अधिक भट्टे लगे हुए ईट भट्टे नगर में शाम होते ही प्रदूषण फैला रहे नगर वासियों को कहना है गर्मी के इस मौसम में कूलर पंखे से धुआं घरों के अंदर घुस रहा है इससे घुटन महसूस होती है संजय सोनी राजकुमार विश्वकर्मा सुरेंद्र पाठक पापुल जैन आयुषी शर्मा रश्मि सोनी निधि साहू का कहना है शासन प्रशासन के अनुमति के बिना नगर से लगी सीमा पर अवैध तरीके से भट्टे लगे हुए हैं जिससे बच्चे एवं बुजुर्गों को सांस लेने में घुटन होती हैं परंतु शासन प्रशासन इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा है क्षेत्रवासियों ने नगर प्रशासन से कार्यवाही की मांग की। नगर परिषद बरेला सीएमओ से जब इस विषय पर चर्चा की तो सीएमओ प्रियंका झारिया ने बताया कि सारे भट्टे बिना परमिशन के लगे हुए हैं किसी ने भी ईट भट्टे लगाने की परमिशन नगर परिषद बरेला से नहीं ली ।

भव्यता से निकली भागवत कथा की कलश व शोभायात्रा

सिहोरा, यशभारत। सिहोरा के वार्ड नम्बर 11 में संत प्रवर सियावल्लभ दास वेदांती जी महाराज के सानिध्य में राधे राधे महिला सत्संग मंडल द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय भागवत कथा की कलश् व शोभायात्रा में जिला पंचायत सदस्य एकता ठाकुर समेत क्षेत्र की सभी मातृ शक्ति,एवं श्रद्धालू साथी उपस्थित रहे।

खरीदी केंद्र में खुले में पड़ा है हजारों क्विंटल गेहूँ

बरेला, यशभारत। शासन द्वारा किसानों को उनकी फसल का उचित हक दिलाने के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से जगह-जगह वेयरहाउस में खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं इन वेयर हाउसों में पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण किसानों को अपनी फसल को बचाने के लिए. परेशान होते देखा जा सकता है. इसका प्रत्यक्ष नजारा महंगवा रोड स्तिथ लक्ष्मी नारायण वेयर हाउस है जहां पर किसान. अपने खुद के त्रिपाल संसाधनों से अपनी फसल सुरक्षित कर रहे हैं। सहकारी समिति बरेला द्वारा किसानों की खरीदी हतू लक्ष्मी नारायण वेयर हाउस और. शारदा वेयर हाउस में खरीदी की जा रही है।सहकारी समिति द्वारा अभी तक लगभग 25 किसानों से 5000 क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है तथा यह गेहूं वेयरहाउस के अंदर भी रखा जा चुका है किंतु अपनी उपज की तौल का इंतजार कर रहे किसान बारिश के मौसम में अपनी गेहूं को सुरक्षित रखने में परेशान दिख रहे हैं। स्थानी कृषक अजय गर्ग का कहना है कि वह अपनी फसल के तौल हेतु विगत 2 दिन से इंतजार कर रहे हैं. अपने खुद के साधनों से अपनी गेहू भी सुरक्षित रख रहे हैं।वेयर हाउस संचालक द्वारा इस संबंध में कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है।अन्य कृषक राकेश पटेल का कहना है कि उनके गेहूं की तौल तो हो चुकी है किंतु अभी तक वेयरहाउस के अंदर नहीं रखी गई है जिसके कारणवह अपनी फसल को सुरक्षित रखने के लिए परेशान है।फिलहाल खरीदी केंद्र में लगभग एक दर्जन किसानों का. हजारों क्विंटल गेहूं खुले में बाहर पड़ा हुआ है।इस बेमौसम बारिश से किसान के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई दे रही हैं।इस संबंध में समिति प्रबंधक दिनेश पांडे का कहना है कि. समिति द्वारा जो भी गेहूं क्रय की गई है. वह पूरी तरह से सुरक्षित है तथा वेयरहाउस के अंदर रखी हुई है।

जिस परिवार में सुख शांति ना हो वहां लक्ष्मी रहने का कोई मतलब नहीं

नरसिंहपुर/तेंदूखेड़ा यभाप्र। नरसिंहपुर जिले के सीमा लगे समीपी ग्राम बरखंदा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के माध्यम से भागवत किंकर की उपाधि से विभूषित पं कृष्णकांत जी शास्त्री ने अजामिल उद्धार की कथा को काफी विस्तार से सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जीवन में भगवान का भजन जरुरी है।अंर्तमन से किये जाने वाले भजन को प्रभु स्वीकारते हैं। भगवान के भजन से वाणी में मधुरता आती है। और आकर्षण बढ़ता है। अजामिल ने ना जाने कितने पाप किए लोगों को लूटा फिर भी अंत समय में प्रभु नाम लेने से भवपार हो गया।कलयुग में तो नाम लेने पर ही भगवत कृपा हो जाती है।भाव से बना हुआ भोजन भोग के रुप में प्रभु ग्रहण करते हैं।इसी तरह जिस घर परिवार में सुख शांति ना हो वहां लक्ष्मी रहने का कोई औचित्य ही नहीं है। प्रतिदिन की कलह बाद विवाद झगड़े परिवार को नेस्तनाबूत करने के साथ बच्चों पर भी बुरा प्रभाव डालतें है। इसलिए प्रत्येक घर में हमेशा अच्छा माहौल बनाने के साथ खुशहाली बनी रहनी चाहिए। इससे परिवार आगे बढ़ता है और बच्चे भी सुसंस्कारी होते हैं। बड़े बुजुर्गो, विद्वान पंडितों और संतों , माता पिता का सम्मान करना चाहिए। इससे स्वयं नारायण प्रसन्न होते हैं। कलयुग में भजन की महिमा का वर्णन करते हुए संत नामदेव जी महाराज,मीरा बाई, तुलसीदास, चौतन्य महाप्रभु,बल्लभाचार्य जी, नरसिंह मेहता, के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनकी भक्ति और भजन कीर्तन की व्याख्या की, समर्पण से ही भगवान वशीभूत हुआ करते हैं। तलवार की धार से ज्यादा पैनी भगवत नाम रुपी धार पैनी हुआ करती है। कथा व्यास ने वामन अवतार, सूर्यवंश चंद्रवंश की कथा सुनाते हुए भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया मंगल बधाई गीत गाये गये। संगीत मय कथा में काफी दूर दूर से श्रोता पहुंच रहे हैं।

ज्ञान ही हमारी मूलभूत वस्तु है- मुनि श्री प्रणम्य सागर

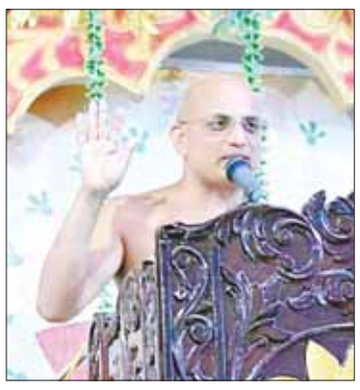

शहपुरा भिटौनी, यशभारत। शास्त्र और शस्त्र के संबंध में बताया जा रहा है। शास्त्र का ज्ञान होना ज़रूरी है- प्रज्ञावान होते हुए यदि शास्त्र का ज्ञान न हो तो जीवन अधूरा है। प्रकृष्ट रूप से जानने की इच्छा प्रज्ञा है। प्रज्ञा और बुद्धि पूर्व जन्म के पुण्य से प्राप्त होती है। कभी बच्चों% के ज्ञान को कोई बढ़ा नहीं सकता । वह तो उसे पूर्व जन्म के पुण्य से प्राप्त क्षयोपशम के माध्यम से ही प्राप्त होती है। जिसके पास ज्ञान है वह उसी दिशा में बढ़ता जाता है। और उसी ज्ञान या बुद्धि के कारण ज्ञान हमारी मूलभूत वस्तु है। आत्मा का ज्ञान गुण के ऊपर आवरण रहता है तो यह ज्ञानावर्णी कर्म कहलाता है। ज्ञान तो हमारी से प्रकट होता है किंतु बुद्धि हमारे मस्तिष्क से उपजती है वह ज्ञानावर्णी कर्म के क्षयोपसम से प्रकट होती है। ज्ञान आत्मा से प्रकट होती है। संस्कारों का ज्ञान होना यह बुद्धि से प्रकट होता है। उसी बुद्धि के माध्ययम से ज्ञान का विकास होता है। ज्ञान अंतरंग की वस्तु है, बुद्धि मस्तिष्क का कार्य है तथा विधा पढ़ने से आती है 77 उक्त उद्गार अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागर जी ने शहपुरा मैं व्यक्त किए ।ज्ञात हो की संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज , मुनि श्री चंद्रसागर जी महाराज , छुल्लक 105 छुल्लक अनुनय सागर जी महाराज ,श्रुल्लक 105 सविनय सागर जी महाराज , श्रुल्लक 105 समन्वय सागर जी महाराज , का ग्रीसमकालीन प्रवास शहपुरा मै चल रहा है जहां प्रतिदिन प्रातः 8-30 बजे से मुनि श्री के मंगल प्रवचन हो रहे है । शहपुरा जैन पंचायत ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने की अपील की है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बरेला, यशभारत। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक निर्वहन हेतु महाविद्यालय बरेला में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ मनोज कुमार श्रीवास्तव शासकीय महाविद्यालय सिहोरा से एवं डॉ शिखा सक्सेना साइंस कॉलेज जबलपुर की उपस्थिति में संपन्न हुआ कार्यक्रम में श्री श्रीवास्तव के द्वारा चयन आधारित क्रेडिट शिक्षक बहुविषयक एवं मूल्यांकन पद्धति के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान किए एवं डॉक्टर सक्सेना जी के द्वारा भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा , ऑनलाइन पाठ्यक्रम एवं परियोजना के विषय में जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम मे प्रचर्या जी पी चौरसिया;डॉक्टर रामसिंह ठाकुर भगत उइके किरण हीरा हरिओम हरीकृष्ण कोगे जयनारायण अरविन्द विनय एवं बहुश्यक विधर्थी उपस्थित रहे।

अनैतिक गतिविधियों का अड्डा बनी मंडी परिसर

तेंदूखेड़ा/नरसिंहपुर, यशभारत। इन दिनों तेंदूखेड़ा की कृषि उपज मंडी केवल कर्मचारियों की कठपुतली और अनैतिक गतिविधियों का अड्डा बनी हुई है। कृषि उपज मंडी के हालात यह है कि जब संपूर्ण प्रदेश की मंडियों मे विभिन्न प्रकार की जीन्सों से परिसर टचे पड़े हुये है और तेंदूखेड़ा की मंडी मे केवल सन्नाटा पसरा हुआ है। जिसका फायदा अनैतिक गतिविधियों मे संलिप्त लोग उठाते रहते है। शाम के समय अघोषित वार का अड्डा बन जाता है। वहीं दोपहर के समय बाहर से आने वाले युवा वर्गो का मिलने का एकांत स्थान बना हुआ है। गंदगी फैलाने वाले जानवर हमेशा विचरण करते हुये नजर आते हुये देखे जा सकते है। मंडी परिसर मे गंदगी का बोलबाला मचा हुआ है। जो प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। बड़े बड़े कचरों के ढेर इस परिसर मे लगने के बाद कचड़ा और पॉलीथिन उड़कर वार्डो मे भी गंदगी को जन्म दे रही है।

बरगी नगर तथा आसपास पवित्र रमजान पर्व की धूम

बरगी नगर , यशभारत। । पवित्र माह रमजान के अवसर पर बरगी नगर सहित आसपास के ग्राम राजाराम डुंगरिया, सोहड, बसहा, मनकेडी, पड़रहा, बरगी, बिजोरा, तथा खापा में रहने वाले मुस्लिम समुदाय के बीच खासे हर्षोल्लास तथा उत्साह के बीच रमजान पर्व में पड़ने वाले रोजे(उपवास) इस्लामी भाइयों द्वारा पूरी श्रद्धा और अकीदत के साथ रखे जा रहे हैं इसी क्रम में शबे कद्र यानी रमजान माह के 26 में रोजे पर बरगी नगर के मदीना जामा मस्जिद में हो विवेक कार्यक्रम आयोजित किए गए बरगी नगर मस्जिद के सदर जनाब पप्पू भाई जान ने बताया कि रमजान मांह के 26 में रोजे को विशेष दर्जा प्राप्त है 26 रोजे को शबे कद्र की विशेष रात में विभिन्न धार्मिक आयोजन होते हैं इस रात को धर्मावलंबी पूरी रात धार्मिक अध्ययन में गुजारते हैं। इसी रात में बाहर से विशेष नमाज के लिए बुलाए गए साहब का विशेष इस्तकबाल सम्मान भी किया जाता है श्री पप्पू भाई बताते हैं कि इस पूरे माह में इफ्तार पार्टियों की धूम रहती है लोग मस्जिद में बढ़-चढ़कर समुदाय द्वारा विशेष भोज पार्टियों का दौर भी जारी है बरगी नगर मदीना जामा मस्जिद में आए मेहमान हाफिज व कारि मौलाना दस्तगीर तथा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज अलीमुद्दीन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बरकतों का पवित्र माह रमजान है जिसको लेकर इस्लामिक धर्मावलंबियों में आशा उत्साह रहता है इस पूरे माह में विशेष तरावीह की नमाज़ तथा पवित्र कलाम पाक यानि कुरान शरीफ की तिलावत यानी अध्ययन विशेष कसरत से किया जाता है । पूरे माह में दान जकात खैरात तथा गरीब यतीम मजलूम की विशेष रूप से मदद की जाती है।

1 मई को नगर परिषद , तहसील का घेराव करेंगे कांग्रेसी

बरेला यशभारत। ब्लाक कांग्रेस कमेटी बरेला की आज एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई जिसमें मंडलम सेक्टर अध्यक्ष बूथ कमेटी के सदस्यों का प्रतिक्षण कराने की रूपरेखा तैयार की गई। ब्लाक में बरेला सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर ग्यारह सूत्रीय मांगों के तहत आंदोलन किया जाएगा। ब्लाक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने बतलाया कि रामलीला मैदान में एक मई को दोपहर 12 बजे से सभा करके आमंत्रित अतिथियों का उद्बोधन होगा तत्पश्चात रैली नगरपरिषद कार्यालय का घिराव करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन सौपेगी। बैठक में वरिष्ठ नेता बसंत तिवारी, रामस्वरूप पटेल, गोपाल झारिया, जिला महामंत्री योगेश पटेल, रामजी रैकवार कार्यकारी अध्यक्ष, सतेन्द्र गर्ग विजय जैन महासचिव, अनुराग पटेल, विपिन झारिया,शेख सलीम, भूपेंद्र यादव, मोंटी गौर, कपिल पटेल, दिनेश सोनी,माधव शर्मा, सतेन्द्र श्रीपाल, सुरेन्द्र चोकसे, मुन्ना लाल झारिया,मानस दुबे, रोहित पटेल,करन पंडा, नील कमल झारिया,शेख अब्बास,शहीद तोले भाईजान, तरूण बर्मन, नितिन विश्वकर्मा,भीम सिंह ठाकुर, अज्जू सेन,शानू झारिया, गुड्डू विश्वकर्मा, राजीव गौतम, जितेंद्र पटेल, संजू पटेल, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इम्पैक्ट प्लेयर्स की वजह से कम हो रही है ऑलराउंडर्स की अहमियत? वेंकटेश अय्यर ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम के कारण ऑलराउंडर को गेंदबाजी करने के कम मौके मिल रहे हैं. टखने की सर्जरी के बाद वापसी करने वाले वेंकटेश ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 83 और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 104 रन की पारियां खेली थी. वो सभी मैचों में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरे. वेंकटेश ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण किसी ऑलराउंडर के ओवरों की संख्या में भारी गिरावट आई है.'' वेंकटेश ऑलराउंडर हैं लेकिन उन्होंने अभी तक एक भी मैच में गेंदबाजी नहीं की है. उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर अगर टीम के पास छठे गेंदबाज के रूप में विशेषज्ञ गेंदबाज है तो वो अपने ऑलराउंडर को नहीं आजमाना चाहते हैं. ये इंपैक्ट प्लेयर का प्रभाव है. इसने ऑलराउंडर की

उपयोगिता कम कर दी है.'' वेंकटेश हालांकि समझते हैं कि नियम अपनी जगह पर रहेगा और टीम मैनेजमेंट इंपैक्ट प्लेयर को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बनाते रहेंगे. उन्होंने कहा, ये एक बहुत ही दिलचस्प नियम है जो आया है. अगर आप आईपीएल में खेल रहे हैं, तो ये एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का टूर्नामेंट है, थिंक टैंक हर टीम में इतना बड़ा है कि मुझे लगता है कि उन्होंने पहले ही मैच में इसका पता लगा लिया होगा. अय्यर ने कहा, अब तक हर कोई जानता है कि इम्पैक्ट प्लेयर का उपयोग कैसे करना है. अगर आप परिणाम देखते हैं तो इम्पैक्ट प्लेयर एक एक्स फैक्टर बन रहे हैं.हालांकि उन्होंने गेंदबाजी नहीं की हैं, लेकिन उन्हें एनसीए से गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह से मंजूरी मिल गई है. उन्होंने कहा, मैं गेंदबाजी करने के लिए 100 प्रतिशत तैयार हूं. मुझे एनसीए द्वारा मंजूरी दी गई थी. सबसे अच्छी बात ये नहीं है कि मैं रन बना रहा हूं, ये बात है कि मैं मैदान पर वापस आ गया हूं और इतने बड़े टूर्नामेंट में खेल रहा हूं. टखने की चोट के बाद वो सतर्क थे लेकिन अब अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आ गए हैं. हाल ही में वो ब्रेंडन मैक्कुलम के बाद केकेआर के लिए दूसरे आईपीएल शतकवीर बन गए हैं।

दूसरी बार पिता बने जेक कालिस, पत्नी ने बेटी को दिया जन्म, इंटरनेट पर बताया- क्या रखा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के महानतम ऑलराउंडर्स में शुमार जैक कालिस दूसरी बार पिता बने हैं. उनकी पत्नी चार्लीन एंजेल्स ने बुधवार सुबह केप टाउन में बेटी को जन्म दिया. मां और बेटी पूरी तरह स्वस्थ हैं. इससे पहले कालिस का एक बेटा है, जो करीब 3 साल का हो चुका है. इस ऑलराउंडर ने बेटी की जन्म की जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर अपने फैन्स के साथ साझा की है. कालिस परिवार ने बेटी के जन्म के साथ उसके नाम की भी घोषणा कर दी है. उन्होंने लिखा, (बुधवार) सुबह 8.37 बजे हमारी खूबसूरत बेटी क्लो ग्रेस कैलिस पैदा हुई. 2.88 किग्रा वजन की हमारी छोटी राजकुमारी ने पहले ही डैडी को अपनी छोटी उंगली में लपेट लिया है. मां और बेटी दोनों स्वस्थ हैं. जोशी भी अपनी नन्ही छोटी बहन से प्यार कर रहा है. हमारा दिल खुशी से धड़क रहा हैं.' भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी कालिस को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है. बता दें कालिस ने अपनी गर्ल फ्रेंड चार्ली एंजेल्स साल 2019 में शादी की थी. 11 मार्च 2020 को उनकी पत्नी ने पहली बार मां बनी थीं, जब उन्होंने बेटे को जन्म दिया था. 47 वर्षीय कालिस साउथ अफ्रीका के लिए 19 सालों तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेले. वह दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में शुमार थे, जो बेहतरीन फास्ट बॉलिंग के साथ-साथ टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने में माहिर थे. साल 1995 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से उन्होंने अपने इंटरनेशल करियर की शुरुआत की थी. इस ऑलराउंडर ने अपने करियर में 166 टेस्ट, 328 वनडे और 25 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले. टेस्ट में उनके नाम 13289 रन हैं, जिसमें 45 शतक और 58 हाफ सेंचुरी शुमार हैं. वनडे में उन्होंने 11579 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 86 हाफ सेंचुरी शामिल हैं. इसके अलावा इन दोनों फॉर्मेट में उन्होंने क्रमशः टेस्ट में 292 और वनडे में 273 विकेट अपने नाम किए. टी20 में भी उन्होंने बल्ले से 666 रन कूटे हैं, जबकि इस फॉर्मेट में भी 12 विकेट अपने नाम किए हैं।

मजदूर पिता की बेटी ने उत्तर प्रदेश एथलेटिक प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल, नेशनल का टिकट किया पक्का

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश का मुरादाबाद जनपद वैसे तो पूरी दुनिया में पीतल नगरी के नाम से मशहूर है, लेकिन बात खेलकूद की करें, तो यहां के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के कारण दूर-दूर तक मशहूर होने लगे हैं. मुरादाबाद की सोनिया ने अपने टैलेंट के बदौलत लॉन्ग जंप में लगभग 70 मेडल जीते हैं. साथ ही, दर्जनों ट्रॉफी भी हासिल की है. सोनिया ने हाल ही में यूपी एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर नेशनल का टिकट पक्का किया है. शक्ति नगर नया गांव की रहने वाली सोनिया की रुचि बचपन से ही खेल-कूद में थी. लिहाजा काफी कम उम्र से उन्होंने लॉन्ग जंप में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था. सोनिया ने 12 साल की उम्र में कंपटीशन में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था. 18 साल की उम्र में सोनिया ने ढेरों ट्रॉफी और मेडल जीत कर देश-प्रदेश का नाम रोशन किया है. सोनिया ने यूपी एथलेटिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर सभी पारिवारिक समस्याओं को पीछे छोड़ते हुए कामयाबी की दास्तां लिखी है. वो उन सभी लोगों के लिए उदाहरण है जो परिस्थितियों का हवाला देकर किस्मत को कोसते हैं. सोनिया का अगला लक्ष्य राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 5.92 मीटर की छलांग लगाकर एशिया चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना है।

सोनिया के पिता करते हैं मजदूरी

एथलीट सोनिया के पिता मजदूरी करते हैं. सोनिया ने 10 साल पहले सोनकपुर स्टेडियम में प्रवेश लिया था. यहां उसने लॉन्ग जंप में अभ्यास शुरू किया था, लेकिन स्टेडियम में कोच ना होने से सोनिया का खेल आगे नहीं बढ़ रहा था. कई बार उसने स्टेडियम छोड़ने का मन बनाया. मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था. लॉन्ग जंप के सभी खिलाड़ियों ने निजी कोच रखने की योजना बनाई. जिसके बाद कोच सौरभ ने सोनिया को प्रशिक्षण देना शुरू किया. उन्होंने सोनिया के खेल को निखारना शुरू किया. सोनिया ने वर्ष 2016 में गोरखपुर में पहला स्वर्ण पदक जीता थी. अभी तक वो राज्य स्तर पर सात गोल्ड जीत चुकी है।

अफरीदी ने 20 साल की उम्र में मामा की बेटी से किया निकाह, शादी के लिए बेलने पड़े थे पापड़

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने 20 साल की उम्र में अपने मामा की बेटी नादिया के साथ निकाह किया था. तब से वे करीब 19 साल से एक साथ हैं. नादिया बहुत ही रिजर्व्ड हैं, जिनको कभी भी शाहिद के साथ मैच के दौरान नहीं देखा गया. शाहिद अफरीदी ने साल 22 अक्टूबर 2000 में नादिया से शादी की थी. ये उनकी रिश्ते में ममेरी बहन लगती हैं. नादिया, शाहिद अफरीदी के सगे मामा की बेटी हैं. शाहिद और नादिया अक्सा, अंशा, अजवा, असमारा और अरवा नाम की 5 बेटियों के माता-पिता हैं.

अफरीदी ने 20 साल की उम्र में मामा की बेटी से किया निकाह

शाहिद अफरीदी की पत्नी नादिया पेशे से एक डॉक्टर हैं. शाहिद अफरीदी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह एक बार अपने घर से जा रहे थे तो मजाक में अपने पिता से कहा था कि उनके लिए वो कोई लड़की ढूंढ लें. अगली बार जब वह वापस लौटे तो उनके पिता ने उन्हें बताया कि उनके लिए उन्होंने लड़की ढूंढ ली है. शाहिद अफरीदी के पिता ने बताया कि उन्होंने उनके लिए नादिया को चुना है. नादिया को अफरीदी बचपन से ही जानते थे. इसके अलावा 3 और ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने प्यार के आगे रिश्तेदारी को भी नहीं देखा और अपनी कजिन बहन से ही शादी कर ली. इस लिस्ट में बड़े-बड़े नाम शामिल हैं.

पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा भारत, जानें कब खेला जाना है

बेंगलुरु.एजेंसी। भारत तीन से 12 अगस्त तक पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जिसका आयोजन इस शहर में होगा. इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन का सातवां सत्र सितंबर में चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों के तैयारी के रूप में काम करेगा. तमिलनाडु के खेल मंत्री उधयनिधि स्टालिन ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह अच्छा है कि हॉकी उस शहर में वापसी कर रहा है, जो कभी दक्षिण भारत में खेल की राजधानी हुआ करता था. भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी. भारत एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करने की कोशिश करेगा. हरमनप्रीत ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे. मुझे याद है कि हमारे सीनियर खिलाड़ी 2007 में चेन्नई में खेले गए एशिया कप के बारे में बात किया करते थे जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा था. उन्होंने कहा, यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे. एशियाई खेलों से पहले यह टीम के लिए कड़ी परीक्षा होगी.

हरमनप्रीत ने कहा, इससे हमें अपने विरोधियों को भी परखने का मौका मिलेगा जिससे हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है. भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था. उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था. इसके बाद 2018 में फाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा जिसके कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था. ढाका में 2021 में खेले गए टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था. वहीं, खेल मंत्री उधयनिधि स्टालिन ने कहा, हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 की चेन्नई में मेजबानी करना बेहद खुशी और सम्मान की बात है. यह शहर कभी दक्षिण भारत में हॉकी की राजधानी हुआ करता था और यहाँ कई प्रतिष्ठित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती थीं. उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि यहां हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से इस क्षेत्र में खेल की लोकप्रियता बढ़ेगी और एशिया में शीर्ष टीमों को देखने से युवा पीढ़ी भी हॉकी को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित होगी. चेन्नई ने पिछली बार 2007 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी एशिया कप के रूप में की थी. उस समय यहां का मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम भारतीय टीम के लिए भाग्यशाली साबित हुआ जिसने फाइनल में कोरिया को 7-2 से हराकर खिताब जीता था. एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में तीन बार की चैम्पियन भारत के अलावा गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन हिस्सा लेंगे. आयोजकों ने कहा कि पाकिस्तान ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है. उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में भाग लेता है तो उसे पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाएगी.÷ उन्होंने कहा कि चीन और पाकिस्तान 25 अप्रैल तक अपनी भागीदारी की पुष्टि करेंगे. हॉकी इंडिया (एचआई) के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने पहले ही चेन्नई में आयोजन स्थल का दौरा कर या है और टूर्नामेंट की तैयारियों का जायजा लिया है।

रंग संसार

अमिताभ बच्चन की पोती आराध्या ने खटखटाया दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा ?

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिताभ बच्चन की पोता और ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन एक बार फिर से चर्चा मे है और इसकी वजह इस बार उनके कपड़े और हेयरस्टाइल नहीं है. दरअसल बॉलीवुड के सबसे बड़े घर की पोती और बेटी आराध्या बच्चन के नाम पर जो फेक खबरें चल रही हैं उससे पूरा बच्चन परिवार परेशान हो गया है और यही वजह है कि अब उन्होंने इसके लिए कानून का सहारा लिया है, दरअसल पिछले काफी समय से आराध्या बच्चन को स्वास्थ से लेकर उनकी बाकि चीजों से जुड़े फेक न्यूज चल रही थी और इस मामले में बच्चन परिवार ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, तो चलिए जानते हैं क्या है पूरा मामला.

इस फेक न्यूज के बाद अब बच्चन परिवार काफी नाराज है. परिवार के तरफ से दाखिल याचिका में कहा गया है कि आराध्या अभी छोटी है और ऐसे में इस तरह की फेक न्यूज उसके लिए परेशानी है. खबरों की मानें तो दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सी हरिशंकर की एकल जज पीठ इस याचिका पर आज सुनवाई करेगी.

आराध्या को लेकर चल रही है फेक न्यूज

अमिताभ बच्चन की पोती और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या महज 11 साल की हैं, लेकिन आराध्या ने फेक न्यूज के मामले में ये याचिका दायर की है. दरअसल आराध्या को लेकर चल रही

यूट्यूब चैनल और एक वेबसाइट पर हुआ केस

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन की तरफ से दिल्ली हाई कोर्ट में 2 यूट्यूब चैनल और एक वेबसाइट के खिलाफ याचिका दायर की गई है. इस पर कल सुनवाई होनी है. दरअसल, बच्चन परिवार की तरफ से कहा गया है की आराध्या के स्वास्थ्य को लेकर कुछ फर्जी जानकारी इस यूट्यूब चैनल और वेब साइट पर लगातार दिखाई जाती हैं जो कि बेहद आपत्तिजनक हैं।

महज 11 साल की हैं आराध्या

ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी ही रहती हैं और उन्हें अक्सर उनके फैशन और साथ ही हेयर स्टाइल के लिए ट्रोल किया जाता रहा है. बता दें आराध्या बच्चन भले ही सबसे बड़े सेलेब्स की पोती और बेटी हो लेकिन वो हमेशा लाइमलाइट से दूर रहती हैं. आराध्या बच्चन को तस्वीरें तभी वायरल होती हैं जब वो अपने परिवार के साथ किसी फंक्शन या फरि पार्टी का हिस्सा बनती हैं. ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन 11 साल की हैं और धीरुभाई अंबानी स्कूल में पढ़ती हैं. आराध्या को अकसर इवेंट्स में मां-बाप के साथ देखा जाता है।

महिला को धमकी देने के आरोप में स्टाइल फेम साहिल खान के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टाइल और एक्सक्यूज मी फिल्म याद है? उन फिल्मों में नजर आए बॉलीवुड एक्टर साहिल खान बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। उनके खिलाफ एक महिला को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने साहिल खान के खिलाफ कथित रूप से धमकाने और सोशल मीडिया पर पीड़िता के बारे में अपमानजनक पोस्ट लिखने के बारे में एफआईआर दर्ज की है। पूरा मामला क्या है, आइए बताते हैं। स्टाइल फिल्म से पॉपुलर हुए एक्टर साहिल खान कुछ महीने पहले अपने एक गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स को लेकर चर्चा में थे। तब हर तरफ उनकी वाहवाही हो रही थी। अब फिर एक बार साहिल खान चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वह कानूनी मुश्किल में फंस गए हैं। साहिल के खिलाफ एक महिला ने एफआईआर दर्ज करवाई है। एएनआई के मुताबिक, महिला ओशिवारा की रहने वाली है। उसने मुंबई पुलिस में एक्टर के खिलाफ 15 अप्रैल को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि महिला के मुताबिक, फरवरी 2023 में साहिल खान का एक महिला के साथ पैसों को लेकर झगड़ा हुआ था। महिला का आरोप है कि साहिल खान ने तब न सिर्फ उसके साथ बदतमीजी की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि साहिल खान ने उसके और उसके परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट किए। महिला की शिकायत पर साहिल खान के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

राखी को मिली धमकी- सलमान खान के बाद राखी सावंत को लॉरेंस बिश्नोई ने दी धमकी कहा- सलमान से दूर रह वरना तुझे...

मुंबई, एजेंसी। राखी सावंत आए दिन किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस राखी सावंत बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के बहुत करीब हैं। दोनों एक दूसरे के साथ एक खास बॉन्ड शेयर करते हैं। राखी सलमान खान को उनका भाई मानती हैं और हमेशा उनकी सपोर्ट करती हैं। वहीं सलमान भी अपने भाई होने का पूरा फर्ज निभाते हैं वे हमेशा राखी की हेल्प करते हैं। पिछले कुछ समय से सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई से जान से मारने की धमकी मिल रही है। जिसके बाद से सलमान काफी सिक्योरिटी में हैं। लेकिन इस बार सलमान को नहीं बल्की राखी को धमकी भरा मेल आया है। सलमान के बाद अब लॉरेंस बिश्नोई ने राखी को धमकी भरा मेल भेज कर सलमान से दूर रहने की सलाह दी है।

राखी को मिली धमकी

राखी सावंत को सलमान खान के मैटर से दूर रहने के लिए कहा गया है राखी को लॉरेंस बिश्नोई ने एक धमकी भरा मेल भेजा है, जिसके बारे में एक्ट्रेस ने खुलकर मीडिया के सामने इस बारे में बात की है। राखी को प्रिंस माफी शख्स के नाम के एक व्यक्ति से दो ईमेल मिले हैं, जो खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से होने का दावा करता है। पहला ईमेल राखी को 18 अप्रैल को सुबह 7 बजकर 22 मिनट पर भेजा गया था और दूसरा ईमेल भी इसी दिन दोपहर 1 बजकर 19 मिनट पर भेजा गया था।

पहले मेल में लिखा ये

राखी सावंत को जो दो धमकी भरा ईमेल मिला उसमें पहले ईमेल में लिखा था- राखी हमारी तेरे साथ कोई लड़ाई नहीं है। तू सलमान खान के मामले में बीच में मत हो वरना तुझे बहुत प्रॉब्लम हो जाएगी। तेरे भाई सलमान को हम बॉम्बे में ही मारेंगे। वो कितनी भी सिक्योरिटी बढ़ा ले। अबकी बार उसे सिक्योरिटी में ही मारेंगे। लास्ट वॉर्निंग है राखी तेरे लिए। वरना फिर तू तैयार रहना।

दूसरे में लिखा ये

दूसरे ईमेल में लिखा था- राखी हम तेरे को लास्ट बार समझा रहे हैं। इसके बाद नहीं बोलेंगे। सलमान खान को कोई नहीं बचा सकता। हमें किसी का कोई डर नहीं है। सलमान का घमंड तोड़ना है। बहुत घमंड है उसके अंदर पैसे और पावर का या तो वो भाई गोल्डी से बात करे या मरने के लिए तैयार हो जाए। उसको उसके घर के बाहर ही मारेंगे बहुत जल्दी।

सलमान के पीछे क्यों पड़ा है बिश्नोई?

दरअसल, सलमान के पीछे लॉरेंस बिश्नोई का पीछा पड़ना उनका काले हिरण का शिकार करना है। राजस्थान के जोधपुर में बिश्नोई समाज से बड़े लोग ताल्लुक रखते हैं। यह समाज प्रकृति और जीव-जन्तुओं से प्यार करने के लिए जाना जाता है। यह समाज जानवर को भगवान का स्वरूप मानते हुए उसकी पूजा करता है। वहीं बिश्नोई समाज में सबसे ज्यादा हिरण की पूजा की जाती है वो इसके लिए जान की बाजी लगाने के लिए भी तैयार रहते हैं। लॉरेंस चाहता है कि सलमान बिश्नोई समाज से इसकी माफी मांगे, वरना वह उन्हें जान से मार देंगे। सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान ईद के दिन 21 अप्रैल को सिनेमा घरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले मिल रही धमकियों से हर कोई हैरान है।

फेमस पॉप स्टार मूनबिन का 25 साल की उम्र में निधन, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। फेमस पॉप स्टार और एस्ट्रो मेंबर मूनबिन ने 25 वर्ष की उम्र अलविदा कह दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, के-पॉप आइडल सियोल के गंगनम-गु में अपने अपार्टमेंट में मृत मिले। पुलिस अधिकारी का मानना है कि मूनबिन ने आत्महत्या की है। पुलिस इस मामले में तेजी से जांच कर रही है।अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में कहा गया है कि मूनबिन 19 अप्रैल यानि मंगलवार की रात करीब 8-10 बजे अपने घर में मृत मिले, जिसके बाद मैनेजर ने इस बात की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। उनकी एजेंसी फैंटेगियो का अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है। जानकारी के अनुसार मूनबिन ने सान्हा के साथ एस्ट्रो यूनिट समूह के साथ अपनी वापसी की थी और वे एक फैन कॉन टूर में प्रदर्शन करने वाले थे। हालांकि, आयोजकों ने अब एक बयान जारी कर कहा है, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि 2023 मूनबॉन एंड सान्हा फैन कॉन टूर-13 मई को होने वाला डिफ्यूजन रद्द किया जाता है। हमें इस घटना को हमारे नियंत्रण से बाहर की अप्रत्याशित परिस्थितियों के

कारण रद्द करना पड़ा, जिसे हम टाल नहीं सकते थे।÷2016 में बॉय बैंड एस्ट्रो में शामिल होने से पहले मूनबिन एक अभिनेता और मॉडल थे, उन्होंने मूनबिन और संहा नामक एक उप-समूह के साथ भी प्रदर्शन किया। एस्ट्रो में शामिल होने से पहले एक बच्चे के रूप में फंटागियो के प्रशिक्षु कार्यक्रम में शामिल हुए। समूह मूल रूप से छह कलाकार थे, लेकिन फरवरी 2023 में एक सदस्य छोड़ दिया गया। उनकी बहन मून सुआ भी एक के-पॉप गायिका हैं, जो लड़की समूह बिली के हिस्से के रूप में प्रदर्शन करती हैं। गायिका और अभिनेत्री गू हारा 2019 में सियोल में अपने घर में मृत पाई गई थीं। उनके करीबी दोस्त, के-पॉप स्टार सुली ने उसी साल ऑनलाइन बुलिंग से लंबे संघर्ष के बाद खुद को मार लिया था। 2018 में, बॉय बैंड 100त के मिनवू की घर पर मृत्यु हो गई थी, उनके लेबल ने केवल यह कहा कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े लड़कों के बैंड शाइनी के सदस्य जोंघ्युन का 2017 में निधन हो गया था।

डुमना एयरपोर्ट पर एलाइंस एयर का इंजन खराब

फ्लाईट हुई कैंसिल, यात्रियों को लौटाए रुपये

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर डुना एयरपोर्ट पर आज उस वक्त गहमागहमी का माहौल निर्मित हो गया जब एलाइंस एयर फ्लाइट का इंजन यात्रियों को बैठाकर बिलासपुर रवाना हो रहा था, लेकिन ऐन वक्त पर उसका इंजन चालू ही नहीं हुआ।

जब करीब आधा घंटा बीत गया तो गर्मी के कारण यात्रियों ने शोर मचाया। जिसके बाद फ्लाइट के पायलेट ने जानकारी दी कि इंजन में टेक्निकल मिस्टेक हो गयी है। जिसके कारण फ्लाइट को कैंसिल कर, यात्रियों को किराया लौटाया गया।

जानकारी अनुसार एलाइंस एयर फ्लाइट दिल्ली से आज 9.50 बजे एयरपोर्ट आई। जिसे बिलासपुर के लिए 10.10 बजे उड़ान भरनी थी। तय समय पर यात्रिगण अपनी सीट पर बैठ गए। लेकिन आधा घंटा बीत जाने के बाद भी फ्लाइट ने उड़ान नहीं भरी। इस दौरान सभी यात्री गर्मी से परेशान हो गए। बाद में फ्लाइट के पायलेट ने बाहर आकर बताया कि इंजन में गड़बड़ी है। जिसके बाद फ्लाइट अब करीब एक बजे उड़ान भरेगी। लेकिन सुधार कार्य के बाद भी फ्लाइट का इंजन नहीं सुधारा, जिसके बाद फ्लावइ को कैंसिल कर दिया गया है। इस दौरान दिल्ली, बिलासपुर जाने वाले यात्रि परेशान रहे।

सायकिल सवार को कार चालक ने मारी टक्कर

घटना स्थल पर ही अधेड़ ने तोड़ा दम क्षेत्र में हड़कंप

जबलपुर, यशभारत। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम डूंडी में एक सायकिल सवार को बेकाबू कार ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में सायकिल सवार अपना वाहन समेत रोड से उछलकर दस फिट दूर जा गिरा। जिसे सिर में गंभीर आई थी और खून भी अधिक बह गया था। आनन फानन में घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि ग्राम डूंडी में अशोक कुमार लोधी 55 वर्ष निवासी पहाड़ीखेड़ा ने बताया कि अपने खेत डूडी खेत में था उसे पता चला कि उसका भाई मेखराम पटैल 52 वर्ष की कार की टक्कर की मौत हो गयी है, उसने ग्राम डूडी पहुंचकर देखा तो कार क्रमांक एमपी 20 सीजे 4009 खड़ी थी उसके भाई की मौत कार की टक्कर से हो गयी। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अजय विश्नोई मेडिकल यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं से नाखुश

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्टाफ बढ़ाने को कहा

जबलपुर, यशभारत। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अजय विश्नोई ने एक बार फिर खुद की सरकार को घेरा है। इस बार मुद्दा है मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं को लेकर है। दरअसल पूर्व स्वास्थ्य मंत्री यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं से नाखुश है उनका मानना है कि लचर कार्यप्रणाली की वजह से विद्यार्थियों का नुकसान हो रहा है।

साथ ही चिकित्सा जैसी शिक्षा प्राप्त करने में विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पाटन से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यूनिवर्सिटी में स्टाफ बढ़ाने की मांग रखी है।

पढ़ाई छोड़ भ्रष्टाचार की सुर्खियां बटोर रहा विवि

जबलपुर में जब से मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई है तब से यह पढ़ाई को छोड़कर भ्रष्टाचार की वजह से सुर्खियों में रही है। यहां के निचले कर्मचारी ऑनलाइन रिश्वत रहे हैं, तो वहीं पूर्व कुलपतियों पर पद के दुरुपयोग के संगीन आरोप लगते रहे हैं। मेडिकल के परीक्षा करवाने वाली एजेंसियों पर पुलिस मुकदमे चल रहे हैं, तो शिकायतों का भी यहां पर अंबार लगा हुआ है लेकिन सरकार है कि इस ओर ध्यान नहीं दे रही है लिहाजा आखिरकार एक बार पुनः मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री अजय विश्नोई को सामने आकर अपनी ही सरकार को आइना दिखाना पड़ रहा है।

3 साल में परीक्षा में शामिल नहीं हो पा रहे छात्र

पूर्व मंत्री अजय विश्नोई का कहना है कि मेडिकल एजुकेशन की लापरवाहियों का ही नतीजा है कि आज नर्सिंग के हजारों छात्र बीते 3 साल में परीक्षा में शामिल नहीं हो पा रहे हैं और ना ही उन्होंने परीक्षा दी है। पाटन विधायक अजय विश्नोई का कहना है कि नर्सिंग कॉलेजों की गड़बड़ी के बारे में उन्होंने खुद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को जानकारी दी थी। इतना ही नहीं जब इस पूरे मामले में कार्यवाही नहीं हुई तो उन्होंने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया लेकिन अभी परिणाम जस के तस हैं।

हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अजय विश्नोई का कहना है कि मध्य प्रदेश के हजारों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है, नर्सिंग कॉलेजों की परीक्षाएं बीते 3 सालों से नहीं हुई है, हजारों छात्र-छात्राएं अभी भी सरकार की और आस लगाए बैठे हैं लेकिन सरकार है कि इस मामले में कोई फैसला नहीं कर रही है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि कोरोना संक्रमण जैसी महामारी देखने के बाद भी मध्य प्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा को लेकर गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाए हुए हैं। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि 3 साल से मध्यप्रदेश में आखिर क्यों कोई भी नई नर्स की भर्ती नही हुई है। अब जबकि कोरोना संक्रमण एक बार फिर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है और ऐसे में अगर अचानक से ही नर्सिंग स्टाफ की जरूरत पड़ेगी तो यह स्टाफ कहां से आएगा।

फग्गन सिंग कुलस्ते की बेटी निजी अस्पताल में भर्ती

एयरपोर्ट जाते समय पेड़ से टकराई कार, 4 घायल

जबलपुर, यशभारत। डुमना चौकी अंतर्गत कार से दिल्ली जा रही केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंग कुलस्ते की कार अचानक बंजारी माता मंदिर के सामने एक पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। हादसे में मंत्री कुलस्ते की बेटी सहित चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। गनीमत यह रही कि कार के एयरबैग खुल गए, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सभी को आनन फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री की बेटी दिल्ली रवाना होने के लिए कार क्रमांक एमपी 51 जेडए 1008 से एयरपोर्ट जा रहीं थीं। तभी कार अचानक अनियंत्रित होकर बंजारी माता मंदिर के सामने एक पेड़ से जा टकराई। हादसे के दौरान कार के एयरबेग खुल गए जिससे कार में सवार बेटी वंदना के अलावा दिनेश उइके, अनिकेत धुर्वे और हिमांशु की जान बच गयी। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

जबलपुर में पश्चिमी विक्षोभ के असर से बदला मौसम, गर्मी से मिली राहत

शाम को फिर बदल सकता है मौसम

जबलपुर, यशभारत। अप्रैल माह के अंतिम दिनों में गर्मी अपने पूरे ऊफान पर नहीं आई है। मौसम में बार-बार हो रहे बदलाव के कारण इस बार गर्मी के आने की उम्मीद टल रही है। कभी जबलपुर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंचता है तो लगता है कि गर्मी आ गई, लेकिन अगले ही दिन आसमान में बादलों के डेरा, गर्मी से राहत दे देता है। गुरवार की शाम से देर रात तक तेज हवा के साथ हुई बारिश से मौसम में शीतलता ला दी है। शुक्रवार को भी आसमान में हल्के बादलों की मौजूदगी से शाम को हल्की बूंदाबादी के आसार हैं। गुरुवार सुबह से ही सूरज आंख तरेरे रहा था अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री पर था। तेज गर्मी से लोगों के पसीने छूटते रहे। दोपहर बाद ही मौसम ने करवट बदली और आसमान पर बादलों छा गए और आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। करीब 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी से कई घरों के टीनशेड नुमा छप्पर उड़ गए। कुछ जगह पेड़ भी गिरे। एसपी आफिस में तो आंधी के कारण गिरे पेड़ों की चपेट में आए आधा दर्जन वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसी तरह इंदिरा मार्केट, कांचघर में भी पेड़ों के गाल टूट कर सड़क पर आ गिरी। इसके बाद गरज-चमक के साथ वर्षा होने लगी। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।

सुहाना हुआ मौसम

बदले मौसम के कारण गर्मी से जूझ रहे लोगों को हल्की वर्षा से काफी राहत मिली। बीती शाम से मौसम सुहाना रहा। रात भर लोगों को ठंडक का एहसास हुआ और गर्मी से लोगों को राहत मिली है। जबलपुर सहित संभाग के कुछ स्थानों पर देर रात तक हल्की बूंदाबांदी होती रही बीती शाम तक जबलपुर में 0.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बहरहाल मौसम के बदले अंदाज से गर्मी के तेवर ढीले पड़ गए हैं।

बिरसिंहपुर पावर प्लांट की तीन इकाईयां ठप्प

बिजली उत्पादन में पैदा हुई समस्या

जबलपुर,यशभारत। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंहपुर की तीन इकाईयों से बिजली उत्पादन ठप हो गया है। 500 मेगावाट की एक इकाई 19 अप्रैल को बंद हुई। उसके बाद 210-210 मेगावाट की तीन और चार नंबर की इकाईयां भी तकनीकी खराबी की वजह से गुरुवार को बंद हो गई। 1340 मेगावाट की कुल क्षमता वाली इस प्लांट से गुरुवार की शाम सात बजे करीब 295 मेगावाट बिजली पैदा हो रही थी। गर्मी में जब भरपूर बिजली उत्पादन की आवश्यक्ता है ऐसे में बिजली की इकाईयों में खराबी प्रदेश को मुश्किल में डाल सकता है। ज्ञात हो कि संजय गांधी ताप विद्युत गृह की 500 मेगावाट यूनिट क्रमांक पांच में बायलर ट्यूब लीकेज हुआ था। जिस वजह से यह इकाई बंद हुई। इसमें सुधार कार्य हो पाता इससे पूर्व ही तीन और चार नंबर की 210-210 मेगावाट की इकाईयों में खराबी आ गई है। कंपनी प्रबंधन इन इकाईयों को जल्द सुधारने का दावा कर रहा है लेकिन मौजूदा हालत में ऐसा संभव नहीं दिखाई दे रहा है।बिजली की मांग सबसे ज्यादा वैसे तो रबी सीजन में होती है। इस दौरान खेतों में कृषि पंप का लोड सर्वाधिक होता है, लेकिन गर्मी के समय शहरी क्षेत्रों में बिजली की मांग बढ़ जाती है। बिजली इकाईयों से इन दिनों में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाता है। बता दें कि जिस तरह से संजय गांधी ताप विद्युत गृह की इकाईयों में खराबी आ रही है इससे इसके रखरखाव के कार्य पर सवाल उठ रहा है।

स्मिता गृह उद्योग
आप हमारे नये परिसर से सालभर रखने योग्य सभी प्रकार के मसाले (हल्दी, मिर्च, धनिया) आदि नये पार्सल में पांच नये मसाले, अचार मसाला
पता: विजय नगर अहिंसा चौक, चौपाटी के सामने जबलपुर
(मो) 9425323934, 0761-2643638
रानीताल गढ़ाफाटक रोड शिवानी कॉम्पलेक्स जबलपुर (मो) 9425153638, 0761-2312695

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर
Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)
विद्यालय की विशेषताएं
- छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
- छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
- छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
- विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
- बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
- खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
- अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।
प्रवेश प्रारंभ 2023-24
प्रातःपाली 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम
दोपहर पाली 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम
संपर्क 9009505955,0761-4016415

INDIA'S BIGGEST CONSUMER & HANDLOOM EXHIBITION
Gurleen MEGA TRADE FAIR
SOCIAL MEDIA PARTNER HAMARA Jabalpur
2 से 30 अप्रैल
TIMINGS: 4PM - 10PM
For More Info: 92155-56345 81031-02769
पोली पाथर सर्कस ग्राउंड, साउथ वेन्यू मॉल के पास, गोरीघाट रोड जबलपुर (म.प्र.)

Trusted
हर रेंज में कूलर ही कूलर
G.S.ELECTRONIC
गढ़ा क्षेत्र का विश्वसनीय इलेक्ट्रॉनिक शोरूम
0% ब्याज पर फायनेंस उपलब्ध हैं।
पता- संजीवनी नगर मोड़, कछपुरा ब्रिज, गढ़ा जबलपुर
9098983263, 9301372157

AMOI THAI SPA
(ALL TYPES OF BODY MASSAGES)
CONTACT- 0761-4106211(M.) 9893051927
ADD- 2ND FLOOR, OPSSITE SAMDARIYA INN HOTAL, JAIN TOWER RASSEL CHOWK, NAPIER TOWN JBP (MP)

केला चिप्स AK's चना जोर गरम
रोस्टेड फूड जंक्शन ड्राई फूड
मोबा. 7987145201, 9993418910

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

हमारे प्रेरणास्त्रोत पत्रकार अरूण शुक्ला
आशीष कंसल्टेंसी
Email-ajayshukla2680@gmail.com
मो. 9425154156, 9826176903
नामांतरण, डायवर्सन, सीमांकन, बटवारा, वसीयतनामा इत्यादि
पता - आशीष ट्रांसपोर्ट बलदेव बाग जबलपुर

SHALBY MULTI-SPECIALITY HOSPITALS
मेडिकल इमरजेंसी में आपके साथ !!
95758 01020
शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर, अहिंसा चौक, विजयनगर, जबलपुर

तांडव
दर्द को जाने दूर भगाए
गठियावात
कमर दर्द
जोड़ो का दर्द
सूजन
मासपेशीयों का दर्द
तांडव तेल
सभी प्रकार के वात रोगों में उपयोगी
TANDAV HERBAL PHARMACY Customer Care : +91 7974979179

एडमीशन ओपन
A name of Quality Education
यश नर्सरी हा.से. स्कूल
अधारताल/गोहलपुर जबलपुर
चुने यही स्कूल क्योंकि यहां से
- अधिकतम छात्र IIT/NEET/ICAR में सलेक्ट होते हैं।
- अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, लैब, कम्प्यूटर लैब
- प्रतिवर्ष बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम
- 10th/12th में परसेंट बढ़ाने CBSE/I CSE से एम.पी. बोर्ड में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउन्ट
इसी माह की पेपर कटिंग लाने पर स्पेशल डिस्काउंट
हॉस्टल एवं बस सुविधा उपलब्ध
30 अप्रेल तक Admission लेने पर वाहन सुविधा फ्री
लिमिटेड सीट
Mrs. Sonal Tiwari (Principal)
गुलाब टॉवर, स्टेट बैंक के पास अधारताल, मो. 7987974850, 6263988587, 0761-4020761
शंकर पटेल मार्केट, अमखेरा रोड, गोहलपुर चौक जबलपुर मो. 9111009016, 0761-4111321

क्या आप घुटने का दर्द, जोड़ों के दर्द से परेशान है?? क्या आपको जोड़ प्रत्यारोपण की सलाह दी गई है?
मिलिए जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. विकास सावला से
शैल्बी हॉस्पिटल, अहमदाबाद के पूर्व विशेषज्ञ
हड्डी रोग एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एक्सपर्ट
डॉ. विकास सावला
MS ORTHO AHMEDABAD FJR
+91-9106804465
बेस्ट टेक्निक, सफल रिजल्ट्स कुल्हा एवं घुटना रिप्लेसमेंट सर्जन
न्यूनतम चीरा
फास्ट रिकवरी
उपचार चुने, डर नहीं
जबलपुर में मिलने का पता
संजीवनी सुपर स्पेशलिटी क्लिनिक गौमाता चौक, राइट टाउन, जबलपुर +91-9301970385, 8225988303
शैल्बी हॉस्पिटल विजय नगर, जबलपुर 93019 70385

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)